राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 05 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-197 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी सरकार का दिवाली गिफ्ट : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के द्वारा गुड्स एंड सर्विस टैक्स काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद बीते दिन यानी बुधवार को जीएसटी से जुड़े कई बड़े बदलाव सामने आए। जिसके बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री की ओर से प्रतिक्रिया सामने आई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जीएसटी को लेकर कहा कि मैं प्रधानमंत्री का धन्यवाद करना चाहती हूं, उन्होंने देश के आम नागरिक को बहुत बड़ा तोहफा दिया है। इतनी बड़ी राहत जिससे न सिर्फ आम आदमी को फायदा होगा बल्कि कई क्षेत्रों में दी गई राहत के लिए जनता प्रधानमंत्री का धन्यवाद करती है। उन्होंने कहा कि जीएसटी में किए गए बदलाव, जैसे दो स्लैब (5% और 18%) और आवश्यक वस्तुओं पर शून्य कर, आम नागरिकों, स्वास्थ्य, बीमा, इलेक्ट्रॉनिक्स, शिक्षा और व्यवसायों के लिए बड़ी राहत लाएंगे। यह कदम छोटे और बड़े व्यवसायों को स्थिरता प्रदान करेगा और एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इसके अतिरिक्त, सीएम गुप्ता ने पहले भी व्यापारियों के लिए 1600 करोड़ रुपये के लंबित जीएसटी रिफंड को दीपावली से पहले अदा करने की घोषणा की थी, जिससे दिल्ली के व्यापारियों को आर्थिक राहत मिलेगी।

बंगाल विधानसभा में भारी हंगामा...

भाजपा और तृणमूल विधायक भिड़े, शुभेंदु के बाद अब शंकर भी सस्पेंड

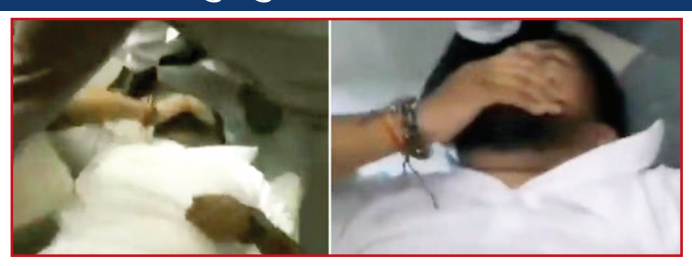

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच झड़प हुई। मामला धक्का-मुक्की और हाथापाई तक पहुंच गया। इस दौरान भाजपा के चीफ व्हिप शंकर घोष के घायल होने की खबर है। मामला इतना बढ़ गया कि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को विधायकों को शांत कराना पड़ा। इससे पहले बंगाल भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष को दिन की शेष कार्यवाही के लिए विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने भारी हंगामा करने की वजह से यह कार्रवाई की। दरअसल, भाजपा विधायकों ने जानना चाहा कि 2 सितंबर को विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को क्यों निलंबित किया गया था। जब घोष ने जाने से इनकार कर दिया, तो विधानसभा मार्शल बुलाए गए और उन्हें घसीटकर सदन से बाहर निकाल दिया गया। मुख्यमंत्री ने भाजपा विधायकों के असंसदीय आचरण की निंदा की और कहा कि वे बंगाली प्रवासियों के अधिकारों और सुरक्षा से संबंधित एक गंभीर चर्चा को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहे थे। अराजकता बढ़ने पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने नारेबाजी शुरू कर दी, जिसके कारण कई बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।गुरुवार को सत्र के दूसरे हिस्से में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बंगाली भाषा और बंगालियों के अपमान के विरोध में भाषण दे रही थीं। उससे पहले भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल को बोलना था, लेकिन जब उनका नाम पुकारा गया, वह मौजूद नहीं थीं। ऐसे में स्पीकर ने मुख्यमंत्री को बोलने का अवसर दिया। इसी बीच अग्निमित्रा पॉल आ गईं। भाजपा विधायकों ने शोर-शराबा शुरू कर दिया कि उन्हें बोलने का मौका दिया जाए। मुख्यमंत्री ने भी स्पीकर से आग्रह किया कि अग्निमित्रा को बोलने दिया जाए। स्पीकर ने अनुमति तो दी, लेकिन उनका बोलने का समय घटा दिया। निश्चित समय पूरा होते ही उनका माइक बंद कर दिया गया और मुख्यमंत्री भाषण देने खड़ी हुईं। मुख्यमंत्री ने बंगाली भाषा पर हमले को लेकर जैसे ही बोलना शुरू किया, शंकर घोष ने नारेबाजी शुरू कर दी। वह लगातार शुभेंदु अधिकारी के निलंबन का मुद्दा उठाते रहे और आरोप लगाया कि उस पर अलग-अलग बयान दिए जा रहे हैं। स्पीकर ने कई बार उन्हें चेताया, लेकिन घोष नहीं माने। आखिरकार मुख्यमंत्री को अपना भाषण बीच में रोकना पड़ा। इसके बाद स्पीकर ने शंकर घोष को सस्पेंड कर दिया। लेकिन घोष अपनी सीट से हटने को तैयार नहीं हुए। भाजपा विधायकों ने उन्हें घेर लिया। सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें बाहर ले जाने की कोशिश की, जिसके चलते सदन में जमकर धक्का-मुक्की हुई। अंततः मुख्यमंत्री खुद वेल में उतरीं और अपनी पार्टी के विधायकों को अपनी-अपनी सीट पर बैठने का निर्देश दिया।

पीएम मोदी को गाली पर एनडीए का बिहार बंद, 12 जिलों में हाईवे जाम

12 जिलों में हाईवे जाम, भागलपुर में पति-पत्नी से बदसलूकी, जहानाबाद में युवक को पीटा

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मां की गाली देने के मामले में NDA ने गुरुवार को बिहार बंद किया। सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक NDA के कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और दुकानें बंद कराई। चौक-चौराहों को जाम किया। इस दौरान समस्तीपुर, बेगूसराय, छपरा, हाजीपुर, दरभंगा में समेत 12 जिलों में 2 से 3 घंटे नेशनल हाईवे जाम किया गया। गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई। बंद को लेकर कांग्रेस और राजद ऑफिस की सुरक्षा बढ़ाई गई थी। साथ ही पटना में 2 हजार से ज्यादा पुलिस जवान तैनात किए गए। 27 अगस्त को दरभंगा में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल-तेजस्वी के मंच से पीएम नरेंद्र मोदी को मां की गाली दी गई थी। इसके बाद से ही बीजेपी लगातार प्रदर्शन कर रही है। पटना के सगुना मोड़ पर आगजनी की गई। जज और शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव की गाड़ियों को रोका गया। बिहटा में बीजेपी नेताओं ने सड़क जाम किया। डाकबंगला चौराहे को कार्यकर्ताओं ने करीब 2 घंटे ब्लॉक कर दिया। जहानाबाद में बंद को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ता रोड रोलर लेकर पहुंच गए थे। यहां महिला टीचर को स्कूल जाने से रोका गया और बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उन्हें हाथ पकड़ वापस घर भेज दिया। वहीं एक युवक के साथ मारपीट की गई। भागलपुर में बंद के दौरान बाइक से जा रहे पति-पत्नी की बंद समर्थकों के साथ बहस हुई। इस दौरान दंपती के साथ बदसलूकी की गई। दरभंगा में पार्टी की महिला मोर्चा ने कमान संभाली। चौक-चौराहों पर प्रदर्शन हुआ, सड़कें जाम रहीं। इस जाम में फंसी पुलिस, एंबुलेंस और एयरफोर्स की गाड़ी को पार्टी कार्यकर्ताओं ने जाने दिया। बेगूसराय में बंद को सफल बनाने के लिए मंत्री सुरेंद्र मेहता खुद सड़क पर उतर गए। सड़क और दुकानें बंद करवाई गईं। मुंगेर में भी बीजेपी कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और शांतिपूर्ण तरीके से बंद कराया। हालांकि, कुछ जगहों पर दुकानें बंद नही हुई। मुजफ्फरपुर में बिहार बंद के दौरान मुजफ्फरपुर-दरभंगा NH 27 जाम करने को लेकर RAF के जवान और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस हुई। बाद में बातचीत से मामला सुलझाया गया। दरभंगा में 27 अगस्त को राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के लिए बनाए गए स्वागत मंच से पीएम मोदी को गाली दी गई। पुलिस ने गाली देने वाले मोहम्मद रिजवी को 28 अगस्त की रात गिरफ्तार कर लिया था। वो पंक्चर की दुकान चलाता है। पीएम मोदी ने मंगलवार (2 सितंबर) को जीविका दीदियों के कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा, 'मेरी मां का राजनीति से कोई लेना-नहीं है। वो इस दुनिया में भी नहीं हैं। फिर भी उन्हें कांग्रेस-फखऊ के मंच से गाली दी गई। इस घटना की जितनी पीड़ा मेरे दिल में है, उतनी ही तकलीफ मेरे बिहार के लोगों के दिल में भी है। मैं आपसे अपना दुख साझा कर रहा हूं, ताकि मैं इस पीड़ा को झेल पाऊं।'

प्रयागराज: 6 साल की बच्ची से रेप

प्रयागराज। 6 साल की मासूम बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। किराना की दुकान चलाने वाला 45 साल का शख्स बच्ची को चॉकलेट देने के बहाने दुकान के अंदर बुला लिया। इसके बाद उसके साथ दरिंदगी की। बच्ची चीखती रही तो उसने मुंह पर हाथ रख दिया। रेप के बाद बच्ची रोती रही तो उसने उसे डराना शुरू किया। कहा किसी से बताया तो चाकू से काट देंगे। कुछ देर बाद बच्ची घर चली गई। इस दौरान मासूम डरी सहमी रही। घर जाकर ज्यादातर वक्त सोती रही। अचानक उसके प्राइवेट पार्ट से ब्लड आने लगा। वह दर्द से तड़पने लगी तो घरवालों ने बहलापुर पूछा। इसके बाद मासूम ने पूरी घटना बयां कर दी। परिवार वालों ने दुकान पर पहुंच हंगामा किया तो आरोपी धमकी देकर भागने लगा। खबर पाकर पहुंची पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है।

दिल्ली में यमुना का पानी सड़कों पर, फ्लाईओवर धंसा

राहत शिविर डूबे, पंजाब के सभी 23 जिलों में बाढ़, 1.75 लाख हेक्टेयर में फसलें खराब

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना का पानी शहर के अंदर घुस गया है। गुरुवार को शहर के कई इलाकों में 3-4 फीट तक पानी भरा है। मयूर विहार फेज-1 में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए बने राहत शिविरों में यमुना का पानी भर गया। अलीपुर में नेशनल हाईवे-44 पर फ्लाईओवर का एक हिस्सा धंस गया। पंजाब के सभी 23 जिलों में बाढ़ आ गई है। 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। राज्य में सभी स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी की छुट्टियां 7 सितंबर कर दी गई हैं। बाढ़ से अब तक 1,75,286 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई हैं। 1 अगस्त से 3 सितंबर तक बाढ़ में 37 लोगों की मौत हुई है। यूपी के पीलीभीत में 25 गांव और मथुरा में 6 गांव बाढ़ में डूब गए हैं। आगरा में यमुना का पानी ताजमहल तक पहुंच गया है। राजस्थान के अजमेर में जवाहर लाल नेहरू हॉस्पिटल और मेडिकल कॉलेज पानी में आधा डूब गया है। हरियाणा के भी कई इलाके बाढ़ में डूबे हैं। राज्य में 11 लोगों की मौत हुई है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में गुरुवार सुबह लैंडस्लाइड में दो घर ढह गए। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। 6 लोग अंदर फंस गए हैं। जम्मू और पंजाब में बाढ़ के कारण भारत-पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर की 110 किलोमीटर से ज्यादा लंबी फेंसिंग को नुकसान हुआ है। साथ ही करीब 90 इरक्र चौकियां पानी में डूब गई हैं। पंजाब में लगभग 80 किलोमीटर लंबी और जम्मू में लगभग 30 किलोमीटर लंबी बॉर्डर फेंसिंग बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि इन जगहों पर फेंसिंग या तो डूब गई है, उखड़ गई है या झुक गई है। देश के पश्चिमी हिस्से में राजस्थान और गुजरात राज्यों से होकर गुजरने वाली 2,289 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा में से सीमा बल जम्मू में लगभग 192 किलोमीटर और पंजाब में 553 किलोमीटर की सुरक्षा करता है। मध्यप्रदेश में गुरुवार को भी बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। इंदौर में लगातार हो रही बारिश की वजह से कान्ह नदी का जलस्तर बढ़ गया है। कृष्णपुरा पुल के पास दो लोग फंस गए थे, जिन्हें नगर निगम और पुलिस की टीम ने रेस्क्यू किया। उज्जैन में क्षिप्रा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे के मंदिर डूब गए हैं। उनके गुंबद तक पानी आ गया है। प्रशासन ने लोगों को घाटों से दूर रहने की चेतावनी दी है। रतलाम में रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 4 पानी में डूबा है। जनता कॉलोनी, पीएंडटी कॉलोनी, जवाहर नगर समेत कई रिहायशी इलाकों में भी पानी भर गया है। गृहस्थी का सामान डूब गया। पलसोड़ा गांव पूरी तरह पानी में डूबा है।

कृषिमंत्री शिवराज पंजाब बाढ़ में कमर तक पानी में उतरे

किसानों से फसलों का हाल जान रहे, बोले: 2 केंद्रीय टीमें नुकसान का आकलन कर रहीं

अमृतसर। बारिश और बाढ़ से बिगड़े हालात का जायजा लेने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज पंजाब दौरे पर हैं। अमृतसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद केंद्रीय मंत्री बाढ़ प्रभावित क्षेत्र अजनाला पहुंचे। यहां वह किसानों से मिले। किसानों ने उन्हें खराब हुई फसलों के बारे में बताया। उनके साथ कांग्रेस सांसद गुरजीत औजला और इखढ जनरल सेक्रेटरी तरुण चुग मौजूद रहे। इसके बाद केंद्रीय मंत्री डेरा बाबा नानक एरिया में पहुंचे। इस दौरान वह ट्रैक्टर में सवार थे। ट्रैक्टर पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ चला रहे थे। यहां केंद्रीय मंत्री ने बाढ़ के पानी में उतरकर लोगों से बात की। कांग्रेस विधायक अरूणा चौधरी ने कहा कि हर साल इन इलाकों में बाढ़ आती है। तीन महीने के लिए इन इलाकों के लोगों को अस्थाई पुल हटा दिया जाता है। वहां पर आने-जाने कोई रह सकता। सन्नी दियोल ने एक करोड़ के करीब पैसा भेजा था, लेकिन पुल नहीं बन पाया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री से अमृतसर हवाई अड्डे पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने मुलाकात की और 5 जिलों में नुकसान की रिपोर्ट सौंपी। इनमें अमृतसर, पठानकोट, गुरदासपुर, तरनतारन और फिरोजपुर शामिल हैं। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें पंजाब भेजा है, ताकि वह जमीनी हालात का सीधा आकलन कर सकें। इसके बाद वह बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा करने रवाना हुए। शिवराज ने कहा कि पंजाब हमेशा देश की सेवा में सबसे आगे रहा है। आज जब राज्य बाढ़ की त्रासदी से जूझ रहा है, तब केंद्र सरकार हर संभव मदद करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में केंद्र सरकार पंजाब के साथ खड़ी है। कृषि मंत्री ने बताया कि केंद्र की दो टीमें पहले ही पंजाब पहुंच चुकी हैं। ये टीमें अलग-अलग विभागों के अधिकारियों के साथ नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार करेंगी, जिसे प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा। पंजाब देश का गौरव है: शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पंजाब हमेशा से देश की शान रहा है। जब भी देश पर संकट आया, पंजाब ने उसे अपने सीने पर झेला है। उन्होंने कहा कि देश की सेवा में पंजाब की भूमिका बेहद अहम रही है और इसके लिए वह पंजाब को प्रणाम करते हैं। 1400 गांवों पर बाढ़ का असर: शिवराज ने बताया कि अब तक 1400 गांवों के प्रभावित होने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि वह खुद इन गांवों का दौरा करेंगे और लोगों से मिलकर उनकी परेशानियां समझेंगे। साथ ही फसलों और संपत्ति को हुए नुकसान का भी जायजा लेंगे। केंद्र सरकार पूरी तरह साथ खड़ी है: शिवराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें हालात का आकलन करने के लिए पंजाब भेजा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार इस संकट की घड़ी में पंजाब के साथ मजबूती से खड़ी है और हर संभव मदद की जाएगी। उनके साथ केंद्रीय मंत्री बिट्टू, जाखड़ और पार्टी महासचिव भी रहेंगे। केंद्रीय टीमें करेंगी नुकसान का आकलन: उन्होंने बताया कि आज दो केंद्रीय टीमें पंजाब पहुंच चुकी हैं। इनमें कृषि, ग्रामीण विकास, सड़क, ऊर्जा, वित्त और जल शक्ति विभाग के अधिकारी शामिल हैं। ये टीमें प्रभावित गांवों का दौरा कर नुकसान का विस्तृत आकलन करेंगी और अपनी रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपेंगी।शिवराज ने कहा कि अभी उनका पूरा ध्यान लोगों की सेवा और राहत कार्यों पर है, इसलिए फिलहाल वह किसी सवाल का जवाब नहीं देंगे। गुरदासपुर एरिया में मंत्री शिवराज चौहान ने लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि कोई भी फसल हो, मैंने गन्ने की फसल को बर्बाद होते देखा है।

पुतिन बोले: ट्रम्प भारत-चीन को धमकाना बंद करें: दोनों देशों को टैरिफ से नहीं डरा सकते

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भारत और चीन को टैरिफ के नाम पर धमकाना बंद करने को कहा है। उन्होंने कहा कि दोनों (भारत-चीन) देश उनकी धमकी से डरने वाले नहीं हैं। चीन की विक्ट्री डे परेड में शामिल होने के बाद बुधवार (3 सितंबर) को मीडिया से बात करते हुए पुतिन ने कहा कि ट्रम्प, भारत या चीन से इस तरह से बात नहीं कर सकते। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, 'भारत और चीन का इतिहास हमलों से भरा है। अगर इन देशों का कोई नेता कमजोरी दिखाएगा तो उसका राजनीतिक करियर खत्म हो सकता है।' दरअसल, ट्रम्प भारत पर कई बार आरोप लगा चुके हैं कि भारत रूसी तेल खरीदता है और यूक्रेन जंग में रूस का साथ दे रहा है। ट्रम्प अपने टैरिफ को जंग सुलझाने वाला हथियार बताते हैं। ट्रम्प ने बुधवार को द स्कॉट जेनिंग्स रेडियो शो में कहा था कि इस (टैरिफ) नीति की वजह से अमेरिका को ताकत मिलती है। ट्रम्प ने टैरिफ को जादुई हथियार कहा और दावा किया इसके जरिए उन्होंने 7 जंग रोकी हैं। पुतिन ने अमेरिका के रवैये को पुराना और रूढ़िवादी मानसिकता वाला बताया। उन्होंने कहा, 'औपनिवेशिक युग अब खत्म हो चुका है। अमेरिका को समझना होगा कि वह अपने पार्टनरों से ऐसी भाषा में बात नहीं कर सकता।' हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में तनाव कम होगा और सामान्य राजनीतिक बातचीत फिर शुरू होगी। पुतिन की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब भारत रूसी तेल खरीदने के कारण अमेरिकी टैरिफ का सामना कर रहा है और चीन अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध में उलझा है।

राहुल गांधी बोले: इंदौर में बच्चों की मौत हादसा नहीं हत्या

इंदौर। महाराजा यशवंतराव अस्पताल (MYH) के एनआईसीयू (नवजात गहन देखभाल इकाई) में 2 बच्चों की मौत को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हत्या कहा है। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- इंदौर में मध्यप्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में दो नवजात शिशुओं की चूहों के काटने से मौत...यह कोई दुर्घटना नहीं, यह सीधी-सीधी हत्या है। यह घटना इतनी भयावह, अमानवीय और असंवेदनशील है कि इसे सुनकर रूह भी कांप जाए। एक मां की गोद से उसका बच्चा छिन गया, सिर्फ इसलिए क्योंकि सरकार ने अपनी सबसे बुनियादी जिम्मेदारी नहीं निभाई। हेल्थ सेक्टर को जानबूझकर प्राइवेट हाथों में सौंपा गया - जहां इलाज अब सिर्फ अमीरों के लिए रह गया है, और गरीबों के लिए सरकारी अस्पताल अब जीवनदायी नहीं, मौत के अड्डे बन चुके हैं। इधर, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त तरुण राठी इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया और एमवाय अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक यादव समेत अन्य अफसरों के साथ बैठक की।

रोटी, पराठा, दूध, हेल्थ-लाइफ इंश्योरेंस टैक्स फ्री

जीएसटी के अब केवल दो स्लैब 5% और 18%, 22 सितंबर से लागू होंगे बदलाव

नई दिल्ली। अब GST के 4 की जगह केवल दो स्लैब 5% और 18% होंगे। इससे आम जरूरत की चीजें जैसे साबुन, शैंपू के साथ AC, कार भी सस्ते होंगे। GST काउंसिल की 56वीं मीटिंग में इस पर फैसला लिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 3 सितंबर को इसकी जानकारी दी। वित्त मंत्री सीतारमण ने बताया कि दूध, रोटी, पराठा, छेना समेत कई फूड आइटम GST फ्री होंगे। वहीं इंडिविजुअल हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर भी टैक्स नहीं लगेगा। 33 जीवन रक्षक दवाएं, दुर्लभ बीमारियों और गंभीर बीमारियों के लिए दवाएं भी टैक्स फ्री होंगी। लग्जरी आइटम्स और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर अब 28% की जगह 40% GST लगेगा। मध्यम और बड़ी कारें, 350 से ज्यादा इंजन वाली मोटरसाइकिलें इस स्लैब में आएंगे। वित्त मंत्री ने बताया कि नए स्लैब नवरात्रि के पहले दिन, यानी 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे। हालांकि, तंबाकू वाले सामान पर नई 40% GST दर अभी लागू नहीं होगी। इन बदलावों का मकसद आम आदमी को राहत देना, छोटे व्यवसायों को सपोर्ट करना और हानिकारक उत्पादों जैसे तंबाकू पर टैक्स बढ़ाकर उनके उपयोग को कम करना है। होटल के कमरों की बुकिंग पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है, वो भी तब जब कमरे का किराया प्रति दिन 7500 रुपए या उससे कम हो। सौंदर्य और सेहत से जुड़ी सेवाओं पर जीएसटी 18% से कम करके 5% कर दिया गया है, जैसे जिम, सैलून, नाई की दुकान, योग सेंटर आदि, जो आम आदमी इस्तेमाल करता है। कैसिनो, रेस क्लब, या जहां कैसिनो और रेस क्लब हों, या फिर खेल इवेंट्स जैसे आईपीएल में एंट्री के लिए जीएसटी 28% से बढ़ाकर 40% कर दिया गया है। पीएम मोदी ने पर लिखा, 'मुझे खुशी है कि GST काउंसिल ने केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसमें GST दरों में कटौती और कई सुधार शामिल हैं। इससे आम जनता, किसान, MSME, मध्यम वर्ग, महिलाएं और युवा सभी को फायदा होगा। ये बड़े बदलाव हमारे नागरिकों की जिंदगी बेहतर बनाएंगे और कारोबार करना आसान करेंगे। खासकर छोटे व्यापारियों और व्यवसायों को मदद मिलेगी।' पिछले हफ्ते ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (GoM) ने केंद्र सरकार के दो स्लैब वाले प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 21 अगस्त को बताया था कि ग्रुप ने मौजूदा 12% और 28% की दरों को हटाकर 5% और 18% के स्ट्रक्चर के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उच्च कोटि के शिक्षाविद थे डॉ राधाकृष्णन

(लेखक- मुकेश तिवारी)

(शिक्षक दिवस पर विशेष)

12 मई 1962 भारतीय इतिहास में वह स्वर्णिम दिन था जब डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण किया। इस दिन दुनिया भर के चिंतकों ने देश के नागरिकों को बधाई भेजी। बधाई की अहम वजह थी कि डॉ राधाकृष्णन ने प्लेटो के स्वप्न को साकार कर दिया था।

डॉक्टर राधाकृष्ण के पूर्वज मद्रास के निकटवर्ती गांव सर्वपल्ली में रहते थे। यही से यह ब्राह्मण परिवार आजीविका की तलाश में तिरुतणी गांव में आकर बस गया था। इसलिए राधा कृष्ण का नाम सर्वपल्ली राधाकृष्णन पड़ा। इनके पिता श्री वीर स्वामी उइया पुरोहिताई करते थे। इस कार्य के अंतर्गत वह शिक्षा, धार्मिक उपदेश व दीक्षा देते थे। राधा कृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था। इनकी मां का नाम सीताम्मा था। ये आपस में पांच भाई बहन थे। इनके माता-पिता धनी तो नहीं थे किंतु इतने निर्धन भी नहीं थे। इसका स्पष्ट कारण यह था कि इनके पिता स्थानीय जमीदार के राजपुरोहित थे। फिर भी राधाकृष्णन ने स्वयं के बलबूते पर ही अपने व्यक्तित्व का निर्माण किया।

राधा कृष्णन की 12 वर्ष तक की प्रारंभिक शिक्षा इनके पिता की देखरेख में गांव में ही रहकर हुई। 1903 में 16 वर्ष की आयु में सिवाकामू के साथ इनका विवाह हुआ था। इसके पश्चात उनके पिता जब तिरुतणी गांव में जाकर बस गए। तो उनका परिचय यहां ईसाई मिशनरियों से हुआ। इन मिशनरियों ने बाद में राधाकृष्णन को पश्चिम ज्ञान अर्जित कराया। क्रिश्चियन स्कूल में तालीम के कारण इन्हें अंग्रेजी विषय का अच्छा ज्ञान हो गया। साथ ही बाइबल भी कंठस्थ हो गई। पुस्तकों का अध्ययन इनकी आदत बन गई। वेल्लोर के वूर हीज कॉलेज में उन्होंने स्कूली शिक्षा ग्रहण की और इसके पश्चात मद्रास के क्रिश्चियन कॉलेज में दाखिला लिया। यहां उनके सहपाठियों में पंडित कृष्णा स्वामी अय्यर थे जो आगे चलकर भारतीय संविधान निर्माण समिति के सदस्य बने, कहा जाता है होनहार बिरवान के होत चीकने पात। यानी प्रतिभाशाली होने की प्रवृत्ति बाल्यकाल से ही दिखाई देने लगती है।

राधा कृष्णन,अपनी सभी कक्षाओं में सदैव प्रथम स्थान प्राप्त करते थे। मद्रास के क्रिश्चियन कॉलेज में दाखिले से उनका संपर्क ईसाई मिशनरियों से तो बढ़ा, परंतु जब मिशनरियां पुरानी भारतीय रीति -नीति को सड़ा गला घोषित कर व तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर प्रस्तुत करती तो वे काफी आहत हो उठते थे। उन्होंने एम.ए. में दर्शन शास्त्र विषय को सिर्फ इसलिए चुना क्योंकि विवेकानंद जी से वे काफी प्रभावित थे। 20 वर्ष की आयु में राधा कृष्णन ने अपना प्रथम निबंध निबंध दि इथिक्स आफ दि वेदांत लिखा। उक्त लेख पर दर्शन शास्त्र के प्राध्यापक ए जी हाग की प्रतिक्रिया थी। एम.ए. की परीक्षा के लिए विद्यार्थी ने जो निबंध प्रस्तुत किया है। उससे यह प्रमाणित होता है कि छात्र दर्शन शास्त्र के मुख्य सिद्धांतों से पूर्णता परिचित है और उसे सब कुछ कंठस्थ याद है। जटिल तर्कों को वह उपयुक्त व सहज ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता रखता है। इन सबके अलावा उसका अंग्रेजी भाषा पर भी प्रभुत्व होना राधाकृष्णन की विलक्षण प्रतिभा को दर्शाता है। हमारे देश में सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन 5 सितंबर को प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उस दौर में मद्रास राज्य में शिक्षा सेवा के लिए एल टी होना ज़रूरी था, इसलिए उन्होंने टीचर्स कॉलेज, सैदापेठ में वर्ष 1910 में प्रवेश लिया, यहां भी उनकी विलक्षण प्रतिभा से सब लोग आश्चर्यचकित चकित थे। जब एल टी परीक्षा की तैयारी के लिए टीचर्स कालेज के प्रोफेसर ने अन्य छात्रों के लिए राधाकृष्णन से व्याख्या प्रस्तुत करने के लिए कहा, तो उन्होंने कुल तेरह व्याख्यान दिए, राधा कृष्णन के इस व्याख्यान पर स्वयं एम.के. रंगास्वामी अयंगर की प्रतिक्रिया थी, राधाकृष्णन के व्याख्यानों में विषय की गहराई, वाग्मिता, परिष्कृत शैली, शब्दों के सुंदर चयन ने सबका मन मोह लिया। वर्ष 1911 में राधाकृष्णन ने कालेज की औपचारिक शिक्षा पूरी कर ली, उन्होंने अब तक की सभी परीक्षाएं विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की थी। हमारे शास्त्रों में लिखा है कि ज्ञान तभी प्राप्त होता है। जब गुरु के प्रति निष्ठा व भक्ति हो, विनम्रता की प्रतिमूर्ति राधाकृष्णन ने इस तथ्य पर पूरी तरह अमल किया। वह मद्रास के क्रिश्चियन कॉलेज में दर्शन शास्त्र के प्रोफेसर डॉ ए.जी. हाग के प्रिय छात्रों में से एक थे। गुरु के प्रति उनके जहन में अगाध प्रेम और निष्ठा थी।

जब कि दूसरी ओर मिशनरियों द्वारा हिन्दू धर्म की भ्रामक तस्वीर पेश करना उन्हें काफी आहत कर देता था। इस प्रसंग को उन्होंने सकारात्मक रूप में लिया और अपने ज़हन में यह निश्चय कर लिया कि वह एक दिन अवश्य ही हिंदू धर्म के सही मर्म से मिशनरियों को रुबरु कराएंगे, ताकि हिन्दू धर्म के प्रति जो ग़लत धारणाएं उन्होंने पाल रखी थी, उनसे वे उबर सके। राधाकृष्णन का यह संकल्प उनकी गुरुभक्ति में न तो बाधक था और न ही उनकी गुरु निष्ठा में कोई कमी ला सका। राधा कृष्णन किसी धनी परिवार से नही थे वे निर्धनता से अच्छी तरह वाकिफ थे,छात्र जीवन में वह बच्चों को ट्यूशन पढ़ा कर अपनी ज़रूरतों को पूरा करने का प्रयास करते रहते थे। आर्थिक रुप से सक्षम हो जाने पर भी उनमें अहंकार नहीं आया। यदि कोई छात्र अपनी किसी भी प्रकार की असमर्थता उनके समक्ष जाहिर करता, तो वह उसे हर हालत में पूरा करने का प्रयास करते। जब वे भारत के उपराष्ट्रपति एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के उपकुलपति थे, तो कलकत्ता विश्वविद्यालय के एमए (दर्शन शास्त्र) के एक छात्र ने उन्हें खत लिखा। इस खत में उसने लिखा पैसों के अभाव की वजह से आपकी पुस्तक इंडियन फिलासफी क्रय करने में असमर्थ हैं, लेकिन इस सबके बावजूद भी में इस पुस्तक को पढ़ना चाहता हूं। आपकी बहुत बहुत कृपा होगी यदि आप मेरी परीक्षा तक अपनी पुस्तक की एक प्रति भिजवा दें। परीक्षा समाप्त होते ही आपकी पुस्तक लौटा दूंगा। पत्र पढ़ते ही राधाकृष्णन ने तत्काल पुस्तक उक्त छात्र को इस खत के साथ भिजवा दी कि अब इसे लौटाने की जरूरत नहीं है। राधाकृष्णन बालकाल से ही संकोची स्वभाव के थे। इसी वजह से उनके मित्र काफी कम लोग बन पाते थे। वे अपनी इस आदत से ताउम्र मुक्त नहीं हो सके। अध्यापक बनने के पश्चात् जब उन्हें छात्रों को पढ़ाने के लिए कमरे में उपलब्ध नहीं होते, तो वे बिना किसी संकोच के छात्रों को गलियारे में ही पढ़ा दिया करते थे। कालेज की पढ़ाई पूरी करने के पश्चात राधाकृष्णन मद्रास के प्रेसीडेंसी कालेज में शिक्षक नियुक्त हुए। सन् 1911मे जब उन्होंने दर्शन शास्त्र के साथ साथ वैकल्पिक विषय के रुप में गणित भी ले रखा था। मगर उन्होंने कही भी यह प्रकट नहीं किया, हालांकि उनके व्याख्यानों में कभी-कभी इसकी छाप अवश्य दिखाई दे जाती थी। इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि वह गणित विषय को लेकर कुशल इंजीनियर आदि बन सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। पश्चिमी देशों को भारतीय धर्म एवं दर्शन से रूबरू करने का श्रेय राधाकृष्णन को ही जाता है, राधाकृष्णन की वाणी का ही प्रभाव था कि उनकी आवाज हिन्दुस्तान से बाहर भी पहुंच गई। अवसर के अनुसार सही शब्दों का चयन भावों को व्यक्त करने की विलक्षण प्रतिभा तर्क एवं आत्मिक भावों के मध्य तालमेल बिठाना, राधाकृष्णन ने हिन्दुस्तान सहित, की एशियाई देशों और यूरोप में अध्ययन किया, उन्होंने अपने जीवन काल के 41बर्ष शिक्षा के क्षेत्र में गुजारे , उक्त क्षेत्र में उन्होंने नई नई ऊंचाई को छुआ। शिखर पर पहुंचने के बाद भी शिक्षा के प्रति उनके लगाव को साबित करने के लिए यह उदाहरण ही काफी है कि एक समय जब वे लंदन में हाई कमिश्नर थे ,उस दौरान भी वे शिक्षण कार्य करते थे,शिक्षक और प्रशासक,दोनों का ही उन्हें बेहतर अनुभव था, राधा कृष्णन की सबसे बड़ी बात यह क्रिश्चियन कॉलेज में अंग्रेजी भाषा में तालीम ग्रहण करने के बाबजूद उन्होंने अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित और सादगीपूर्ण बनाए रखा ,वे शाकाहारी होने के साथ साथ वेशभूषा में भी भारतीय संस्कृति के हिसाब से रहती थी, राधाकृष्णन सदैव कोट, शेरवानी, पगड़ी ही धारण करते थे,इस संबंध में उनका कहना था दूसरे का वस्त्र पहनने की अपेक्षा स्वयं का आवरण धारण करना उचित रहता है, यह उनके चरित्र की विशेषता थी। वे भोजन ,वस्त्र में हमेशा हिन्दुस्तानी परंपराओं को निभाते रहे, राधाकृष्णन पर विश्व बंधुत्व के प्रतीक स्वामी विवेकानंद का काफी प्रभाव पड़ा, राधाकृष्णन तेज बुद्धि के तो थे ही,वह कुशल प्रशासक भी थे। वे अनेक विश्वविद्यालयों के कुलपति रहे। जब वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति थे और 1926 में जब आंध्र विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया तो वे उसके भी कुलपति बने , सीनेट ने आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति पद के लिए हुए चुनाव में बहुमत से राधाकृष्णन को कुलपति बनाया, आंध्र विश्वविघालय अपने प्रारंभिक दौर में सिर्फ परीक्षाए ही करता था, इन्होंने वहां वैज्ञानिक अध्ययन के लिए प्रयोगशाला और पुस्तकालय खुलवाए डां राधा कृष्णन में रचनात्मक लेखन प्रतिभा कूट-कूट कर भरी हुई थी, उन्होंने चालीस से भी ज्यादा ग्रंथ लिखे और150से भी अधिक पुस्तको का संपादन भी किया, इंडियन फिलासफी के दोनों भागों की रचना ने उन्हें जग में ख्याति दिलाई,धर्म की व्याख्या वे इतिहास के आधार पर करते थे,जब बनारस में प्रथम एशियाई शिक्षा सम्मेलन आयोजित किया गया,

उसके अध्यक्ष डॉ राधाकृष्णन बने,उनकी विलक्षण स्मरण -शक्ती से चकित रह गए, यह विलक्षण प्रतिभा तब फिर साबित हुई जब अन्नामलाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाषण देने के पहले ही पत्रकारों ने उनसे भाषण की प्रतिलिपि मांगी, चूंकि तब तक वह टाईप की हुई प्रति उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने पत्रकारों को मौखिक रूप से ही उन्हें अपना भाषण बोलकर लिखवा दिया, हालांकि पत्रकारो को भरोसा नहीं हुआ और उन्होंने उनके पहले भाषण की प्रति जो एसोसिएट प्रेस को भेजी गई थी,से मिलान किया तो बिल्कुल उसी तरह पाया, राधाकृष्णन की इस विलक्षण स्मरण शक्ति को देखकर सभी पत्रकार भौंचक्के रह गए।

डॉ राधाकृष्णन के राष्ट्रपति चुने जाने के पश्चात विश्व के चिंतकों ने हिन्दुस्तान के नागरिकों को बधाई के बधाई दी थी। इसकी अहम वजह थी, उन्होंने एक चिंतक को हिंदुस्तान के सर्वोच्च पद का दायित्व सौंप दिया था, उल्लेखनीय है कि उनके राष्ट्रपति चुने जाने के पश्चात समूचे विश्व में एक नई आशा एवं विश्वास का संचार हुआ। हिन्दुस्तान ने शासन की बागडोर एक ऐसे व्यक्ति के हाथों में सौंप दी थी, हक़ीक़त में विश्व घटना चक्र पर यदि नजर डालें तो यह दूसरा मौका था। जब किसी शिक्षक एवं दार्शनिक को मुल्क का नेतृत्व सौंपा गया था, राधाकृष्णन से पहले अमेरिका में राष्ट्रपति पद की बागडोर वहां के एक शिक्षक वुडरो विल्सन को दी गई थी।

संपादकीय

मदद का संकल्प

उत्तर से दक्षिण भारत तक जब भी कोई आपदा या संकट देश पर आया है, पंजाबियों ने आगे बढ़-चढ़कर पीड़ितों की मदद की है। पंजाब की धरा से गुरुओं व पीर-पैगम्बरों ने मानवता के उत्थान व मिल-जुलकर खाने की सीख दी है। गुरुओं का यह संदेश देश-दुनिया में प्रेरणा का प्रतीक बना हुआ है। ऐसे वक्त में जब पंजाब बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहा है तो शेष देश के लोगों को निस्वार्थ भाव से आगे आने की जरूरत है। उल्लेख करना जरूरी है कि पंजाब के लोग हमेशा बेहद स्वाभिमानी रहे हैं। इस सीमावर्ती राज्य ने गाहे-बगाहे विभिन्न चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है। मध्यकाल में विदेशी आक्रांता रहे हों या आजादी के बाद पाकिस्तान के आक्रमण, पंजाबियों ने भारत की सुरक्षा ढाल बनकर जीवटता का परिचय दिया है। यहां जरूरी है कि किसी मदद से पहले पंजाबियों के स्वाभिमान का विशेष ख्याल रखा जाए। यूं तो इस आपदा की घड़ी में सेना के अलावा पंजाब के विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठन अपने स्तर पर लोगों को संकट से उबारने के काम में प्राणपण से लगे भी हुए हैं। लेकिन आपदा का बड़ा स्तर देखते हुए शेष देश से योगदान की उम्मीद की जा रही है। निस्संदेह, आपदा का दायरा बड़ा है, जिसमें राज्य के 23 जिलों में करीब तीन लाख से अधिक लोग जलप्लावन का त्रास झेल रहे हैं। बड़े पैमाने पर कृषि भूमि जलमग्न हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि संकट की इस घड़ी ने लोगों को स्वत-स्फूर्त रूप में एकजुट किया है। पंजाबियों का जज्बा देखिए कि सरकारी मदद पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने उफनते पानी में नावें उतार दीं। उन्होंने न केवल पड़ोसियों, बच्चों-बूढ़ों को बचाया, बल्कि पशुओं को बचाने के लिये भी भरसक प्रयास किए। सारी दुनिया में मानवता का पर्याय बने लंगर लगाए गए। जगह-जगह अस्थायी आश्रय स्थल बनाए गए। बिना किसी संकोच के राशन बांटा गया। निस्संदेह, पंजाबियों की यह भावना कोई पहली बार नहीं देखी गई। अपने देश में ही नहीं, विदेशों में भी मदद के तमाम प्रेरणादायक उदाहरण हमारे सामने हैं। अब चाहे तुर्की का भूकंप हो या केरल में प्राकृतिक आपदा का तांडव, पहले प्रतिक्रिया देने वालों के रूप में पंजाबियों की विशिष्ट पहचान रही है। खालसा एड, यूनाइटेड सिख्स, हेमकुंट फाउंडेशन और अनगिनत स्थानीय गुरुद्वारों से जुड़े संगठनों ने मुश्किल वक्त में तेजी से काम किया है। जरूरतमंद लोगों तक भोजन,पानी,दवा और चारा पहुंचाया है। गुरुदासपुर और कपूरथला में स्वयंसेवकों ने कमर तक गहरे पानी में जाकर संकटग्रस्त लोगों को बाहर निकाला है। इतना ही नहीं, पशु चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्रों में फंसे मवेशियों की देखभाल कर रहे हैं। वित्तीय मदद भी मिल रही है, जिसे राज्य व केंद्र सरकार द्वारा अविलंब बढ़ाए जाने की जरूरत है। इसके साथ ही गैर सरकारी संगठन, परोपकारी लोग और यहां तक कि कलाकार भी लोगों की मदद व पुनर्वास का संकल्प ले रहे हैं। एक पंजाबी सेलिब्रिटी ने 200 घरों के लिये सहायता का वायदा किया है। जो इस बात का प्रमाण है कि कैसे सांस्कृतिक हस्तियां तबाही की विभीषिका कम करने के लिये सामुदायिक समूहों के साथ आगे आ रही हैं। निस्संदेह, इस संकट की घड़ी में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, वायु सेना ने नावों, हेलीकॉप्टरों और राहत शिविरों के जरिये पीड़ितों को तात्कालिक राहत पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया है। वे तसवीरें मानव सेवा के संकल्प को दर्शाती हैं, जिसमें ग्रामीणों ने ट्रैक्टर-ट्रालियों को जीवन रक्षक नौकाओं में तब्दील कर दिया है।

शोध पर शिक्षक की अहम भूमिका

(लेखक- संजय गोस्वामी)

(राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 5 सितंबर 25पर विशेष)

शिक्षण दुनिया का सबसे प्रभावशाली कार्य है। एक शिक्षक एक मित्र, एक दार्शनिक और एक मार्गदर्शक होता है। हमारे जीवन में एक शिक्षक की भूमिका निर्विवाद है। शिक्षक ज्ञान के माध्यम से हमारे मन को आकार देते हैं और ज्ञान के बिना व्यक्ति का अस्तित्व नहीं है। शिक्षक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में ऐसे मूल्यों का संचार करते हैं, जो उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक दिवस दुनिया भर में एक विशेष दिन है, जो स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के सम्मान में मनाया जाता है। भारत में शिक्षक दिवस 5 सितंबर को मनाया जाता है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शिक्षा के प्रति जुनून और समर्पण ने उनके जन्मदिन को भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन बना दिया। विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को मनाया जाता है। भारत में 5 सितंबर का दिन शिक्षकों को समर्पित है। यह दिन पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। किसी दिन और तारीख से जुड़ी कोई न कोई कहानी या किस्सा होता है जो इसे खास बनाता है। अगर आप सोच रहे हैं कि 5 सितंबर हमारे देश में इतना खास क्यों है, तो क्यों? और इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है? आइए जानते हैं क्यों। भारत में शिक्षक दिवस प्रथम उपराष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को समर्पित है। एक राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ वे एक महान शिक्षक, विद्वान और प्रसिद्ध दार्शनिक भी थे। उनका जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु के तिरुत्तनी में हुआ था। डॉ. सर्वपल्ली के जन्मदिन के उपलक्ष्य में इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लगभग हर देश शिक्षक दिवस मनाता है। भारत में हम इस दिन को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के रूप में मनाते हैं। डॉ. सर्वपल्ली में वे सभी गुण विद्यमान थे जो उन्हें एक महान व्यक्ति बनाते थे। एक दयालु शिक्षक होने के कारण, वे अपने छात्रों के बीच बहुत लोकप्रिय और प्रिय थे। वास्तव में, एक दिन, उनके छात्रों और दोस्तों ने उनसे उनका जन्मदिन भव्य तरीके से मनाने की अनुमति मांगी। डॉ. सर्वपल्ली ने मना कर दिया क्योंकि वे सहमत नहीं थे। हालाँकि, उन्हें अपने पेशे से गहरा लगाव था और वे देश में शिक्षकों की स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ थे। इस स्थिति का सामना करते हुए, कुछ देर मौन रहने के बाद, उन्होंने कहा, मुझे खुशी होगी अगर यह सम्मान देश के सभी शिक्षकों को मिले, न कि केवल मुझे।डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि अगर उनके जन्मदिन के बजाय शिक्षक दिवस मनाया जाए तो यह उनके लिए गर्व और सम्मान की बात होगी। इस प्रकार, भारत में शिक्षक दिवस मनाने की प्रथा शुरू हुई। बाद में, शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. राधाकृष्णन के कार्यों की स्मृति में, उनके जन्मदिन को भारत में शिक्षक दिवस घोषित किया गया। पहली बार, 1962 में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाया गया और तब से 5 सितंबर को इसी रूप में मनाया जाता है।डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन मैसूर विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर थे। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय के मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज में भी लंबे समय तक अध्यापन किया। उनका मानना था कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू भी है। छात्रों के प्रति उनकी गहरी संवेदनशीलता और स्नेह ने उन्हें एक आदर्श शिक्षक बनाया। वे एक उत्कृष्ट लेखक भी थे। उन्होंने भारतीय दर्शन, भगवद् गीता और द हिंदू व्यू ऑफ़ लाइफ जैसी पुस्तकें लिखीं।डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को 1954 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनके कार्यकाल में शिक्षा और संस्कृति पर विशेष ध्यान दिया गया। इसलिए, देश में शिक्षा की अलख जगाने वाले डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन शिक्षकों के योगदान को समर्पित है। हम शिक्षक दिवस इसलिए मनाते हैं क्योंकि शिक्षक समाज के निर्माता रहे हैं और उनके बिना कोई भी समाज सही राह पर आगे नहीं बढ़ सकता। और सभी भारतीयों को डॉ. सर्वपल्ली जैसे महान शिक्षक पर गर्व है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में शोध बहुत महत्वपूर्ण है और शिक्षक आमतौर पर शोध का विरोध नहीं करते, फिर भी अक्सर उनकी इस पर तीखी, कभी-कभी परस्पर विरोधी प्रतिक्रियाएँ होती हैं। सभी नौ फ़ोकस समूहों में एक आवर्ती विषय—शिक्षकों के अनुभव के वर्षों, कक्षा स्तर, या शिकागो महानगरीय क्षेत्र में स्कूल के स्थान की परवाह किए बिना—शिक्षण को समर्थन देने के लिए शैक्षिक शोध के उपयोग और शोधकर्ताओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सामग्री और चिकित्सकों की ज़रूरतों के बीच कथित अलगाव के बीच का तनाव था। शोध को सकारात्मक रूप से देखने वाले शिक्षकों ने इसे सफल शैक्षिक प्रथाओं के एक तरीके के रूप में देखा, जिससे यह आश्वासन मिलता है कि वे प्रभावी रणनीतियों और प्रथाओं को लागू कर रहे हैं। हालाँकि, सभी शिक्षक शैक्षिक शोध को अनुकूल दृष्टि से नहीं देखते। कई प्रतिभागियों ने यह विश्वास व्यक्त किया कि शोध अक्सर कक्षा की दैनिक वास्तविकताओं से कटा हुआ महसूस होता है, खासकर जब शोध का वातावरण वास्तविक कक्षाओं या उनके जैसी छात्र आबादी को सटीक रूप से प्रतिबिंबित नहीं करता है। शिक्षण अनुभव वाले शिक्षक, सहकर्मी, प्रशासक, प्रोफेसर और शोधकर्ता आधिकारिक सर्वोत्तम प्रथाओं या शोध दिशानिर्देशों की तुलना में अपनी कक्षाओं में जो कारगर है उसे प्राथमिकता देते हैं—खासकर जब शोध विशिष्ट शैक्षिक उत्पादों के प्रचार से जुड़ा हो। ऐसे मामलों में, शिक्षक शोध सुझावों की तुलना में अपने व्यक्तिगत अनुभवों और छात्रों से प्राप्त प्रतिक्रिया पर अधिक भरोसा करते हैं। कुछ शिक्षकों के लिए, छात्रों के साथ सफल साबित होने वाली रणनीति, केवल शोध द्वारा प्रमाणित रणनीति की तुलना में प्रभावशीलता का अधिक ठोस प्रमाण होती है। इसके अतिरिक्त, शिक्षक उस शोध के प्रति अधिक ग्रहणशील होते हैं जो उनके वर्तमान शैक्षणिक दृष्टिकोणों के अनुरूप हो। इसके विपरीत, यदि शोध निष्कर्षों को लागू करने से उनकी कक्षाओं में सकारात्मक परिणाम नहीं मिलते हैं, तो शिक्षक उन प्रयासों को छोड़ देने की संभावना रखते हैं। हालाँकि शिक्षक कभी-कभी शोध से परामर्श तो करते हैं, लेकिन विशिष्ट समस्याओं के समाधान के लिए औपचारिक शोध की तलाश करने से पहले वे अक्सर विशिष्ट पत्रिकाओं, इंटरनेट, या एक साधारण गूगल सर्च का सहारा लेते हैं। इन विधियों का उपयोग करके, शोध और उसके निष्कर्षों को प्रभावी ढंग से साझा किया जा सकता है। शिक्षकों ने यह भी बताया कि वे शैक्षिक शोध को अध्ययन समूहों, समितियों, स्कूल पहलों, या अन्य सहयोगात्मक प्रयासों में शामिल करेंगे जो शोध का उपयोग सीखने को और व्यापक रूप से बढ़ाने के लिए करते हैं। लगभग सभी शिक्षक इस बात पर सहमत थे कि अपने व्यस्त कार्यक्रम के कारण, शोध की खोज करना और उसे पढ़ना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं है। विविध पृष्ठभूमि के शिक्षक—जो शहरी और उपनगरीय प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में उच्च और निम्न आय वर्ग के छात्रों को पढ़ाते हैं—इसी दृष्टिकोण से सहमत थे।

अहिंसा का आलोक

वे सभी व्यक्ति अहिंसा की शीतल छाया में विश्राम पाने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो सत्य का साक्षात्कार करना चाहते हैं। अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है। यह सूर्य के प्रकाश की भांति मानव मात्र और उससे भी आगे प्राणी मात्र के लिए अपेक्षित है। इसके बिना शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात केवल कल्पना बनकर रह जाती है। अहिंसा का आलोक जीवन की अक्षय संपदा है। यह संपदा जिन्हें उपलब्ध हो जाती है, वे नए इतिहास का सृजन करते हैं। वे उन बंधी-बंधाई परंपराओं से दूर हट जाते हैं, जिनकी सीमाएं हिंसा से स्पृष्ट होती हैं। परिस्थितिवाद का बहाना बनाकर वे हिंसा को प्रश्रय नहीं दे सकते। अहिंसा की चेतना विकसित होने के अनंतर ही व्यक्ति की मनोभूमिका विशद बन जाती है। वह किसी को कष्ट नहीं पहुंचा सकता। इसके विपरीत हिंसक व्यक्ति अपने हितों को विश्व-हित से अधिक मूल्य देता है। किंतु ऐसा व्यक्ति भी किसी को सताते समय स्वयं संतप्त हो जाता है। किसी को स्वायत्त बनाते समय उसकी अपनी स्वतंत्रता अपहत हो जाती है।

किसी पर अनुशासन थोपते समय वह स्वयं अपनी स्वाधीनता खो देता है। इसीलिए हिंसक व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में संतुष्ट और समाहित नहीं रह सकता। उसकी हर प्रवृत्ति में एक खिंचाव-सा रहता है। वह जिन क्षणों में हिंसा से गुजरता है, एक प्रकार के आवेश से बेभान हो जाता है। आवेश का उपशम होते ही वह पछताता है, रोता है और संताप से भर जाता है। हिंसक व्यक्ति जिस क्षण अहिंसा के अनुभव से परिचित होता है, वह उसकी ठंडी छांह पाने के लिए मचल उठता है। उसका मन बेचैन हो जाता है। फिर भी पूर्वोपात्त संस्कारों का अस्तित्व उसे बार-बार हिंसा की ओर धकेलता है। ये संस्कार जब सर्वथा क्षीण हो जाते हैं तब ही व्यक्ति अहिंसा के अनुत्तर पथ में पदन्यास करता है और स्वयं उससे संरक्षित होता हुआ अहिंसा का संरक्षक बन जाता है। अहिंसा के संरक्षक इस संसार के पथ-दर्शक बनते हैं और हिंसा, भय, संत्रास, अनिश्चय, संदेह तथा असंतोष की अरण्यानी में भटके हुए प्राणियों का उद्धार करते हैं।

विचार मंथन

जीएसटी के 2 स्लैब, गरीब एवं मध्यम वर्ग को राहत?

(लेखक- सनत जैन)

जीएसटी परिषद के हालिया फैसले ने आम जनता को बड़ी राहत दी है, यह प्रचारित हो रहा है। अब तक अलग-अलग वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी की दरें 5 प्रतिशत से लेकर 28 प्रतिशत तक फैली हुई थीं, जिससे उपभोक्ता और व्यापारी दोनों ही भ्रमित रहते थे। परिषद ने टैक्स ढांचे को सरल बनाने का दावा करते हुए केवल दो स्लैब 05 और 18 प्रतिशत रखने का निर्णय लिया है। कुछ उत्पाद 40 फीसदी जिसमें शराब, लग्जरी सामान और तंबाकू के उत्पाद शामिल कर तीसरी श्रेणी बनाई जा रही है। सरकार दावा कर रही है कि इस बदलाव से 48000 करोड़ सालाना का नुकसान होगा जो प्रतिमाह लगभग 4000 करोड़ रुपया बैठता है। इसी के साथ ही सरकार दावा कर रही है, कि इस कदम से कर प्रणाली को पारदर्शी बनाया जायेगा। गरीब और मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी। सरकार का दावा है इससे बड़ा फायदा रोजमर्रा की वस्तुओं और खाने-पीने की चीजों पर जीएसटी दर में कमी के कारण सामने आएगा। आवश्यक वस्तुएं सस्ती होंगी, सीधे तौर पर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का मासिक बजट संतुलित होगा। अगले 4 महीने त्योहारों के मौसम के हैं। जीएसटी में राहत उपभोक्ताओं के उत्साह को बढ़ाएगी। बाजार में रौनक आएगी। बाजार में मांग और आपूर्ति को मजबूती मिलेगी। सरकार ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा सेवाओं पर जीएसटी खत्म करने का निर्णय लिया है, जो अत्यंत सराहनीय कदम है। मध्यम वर्ग लंबे समय से इस बोझ से परेशान था। अब बीमा प्रीमियम सस्ते होंगे, अधिक लोग स्वास्थ्य और जीवन बीमा लेने के लिए प्रोत्साहित होंगे। इससे सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ेगा और देश में वित्तीय सुरक्षा मजबूत होगी। उद्योग जगत की दृष्टि से देखें, तो कम स्लैब का अर्थ है, आसान टैक्स के अनुपालन से व्यापारी और छोटे कारोबारियों को राहत मिलेगी। जटिल दरों और तकनीकी खामियों के कारण वह परेशान होते थे। दो स्लैब की व्यवस्था से कर चोरी घटेगी, सरकार को राजस्व संग्रहण अधिक पारदर्शी तरीके से मिलेगा। हालांकि जीएसटी की चुनौतियां नए रूप मे सामने आएंगी। उच्च कर स्लैब में आने वाली वस्तुओं पर कर बोझ बढ़ने से जो राहत बताई जा रही है, वह एक जेब से पैसा निकाल कर दूसरे जेब में डालने जैसी संभावना के रूप में देखा जा रहा है। विलासिता से संबंधित उत्पाद एवं सेवाओं को 28 प्रतिशत के स्थान पर 40 फ़ीसदी जीएसटी देनी होगी। इस प्रकार उपभोक्ताओं को जो राहत दी गई है उसे विलासिता के नाम पर सरकार वापस ले लेगी। इसमें सरकार को वाहवाही भी मिलेगी। इस श्रेणी के लोग अपेक्षाकृत सक्षम होते हैं। समाज के कमजोर वर्गों की राहत का यह बोझ मध्यम वर्ग पर डाला जाएगा। सरकार ने जो अनुमान लगाया है कि उसे 4000 करोड़ मासिक का नुकसान होगा, जीएसटी के रूप में सरकार 180000 करोड़ से लेकर 190000 करोड़ तक हर माह वसूल कर रही है। इससे स्पष्ट है, कि जीएसटी से आम आदमी को कोई विशेष राहत मिलने वाली नहीं है। अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव की बात करें, तो इस कदम से कुछ उत्पादों की मांग बाजार में बढ़ेगी, उत्पादन में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। सरल टैक्स प्रणाली विदेशी निवेशकों को भारत में आने के लिए भी आकर्षित करेंगे। कुल मिलाकर, जीएसटी में दो स्लैब का फैसला एक दूरगामी सुधार का रास्ता तैयार कर रहा है। इस तरह की सोच से गरीब और मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी, वहीं टैक्स प्रणाली को सरल और प्रभावी बनाने में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हो सकता है। यह कदम सबका साथ, सबका विकास की दिशा में सरकार का यह ठोस प्रयास करने का दावा सरकार द्वारा किया जा रहा है। सरकार का दावा है कि इस परिवर्तन से भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों मे ले जाने में मदद मिलेगी। सरकार जीएसटी की दरों में कमी करने का जो दावा कर रही है। महंगाई कम होने की बात कर रही है। इसमें आम उपभोक्ता को राहत मिलेगी, ऐसा लगता नहीं है। सरकार जिस नुक्सान की बात कर रही, यह उतार चढ़ाव अभी भी होता है। सही बात यह है, जीएसटी से सरकार का राजस्व निरंतर बढ़ रहा है। सरकार ने दो स्लैब खत्म किए हैं, किंतु जीएसटी में विलासता के नाम पर 40 फ़ीसदी टेक्स के दायरे में जिन वस्तुओं को शामिल किया जा रहा है उससे मध्यम वर्ग को कोई राहत मिलेगी, ऐसा होता दिख नहीं रहा है।

सरकार के इस प्रयास को मार्केटिंग के रूप में जरूर देखा जा सकता है। जिसमें गरीबों और मध्यम वर्ग को सरकार यह संदेश देने में सफल रही है, जीएसटी में सरकार उसे बहुत फायदा पहुंचाने जा रही है। इस बदलाव से निश्चित रूप से सरकार की छवि बेहतर बनेगी। उपभोक्ताओं को क्या लाभ होगा, इसका पता तो कुछ समय के बाद ही चलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईईएक्स का अगस्त बिजली कारोबार 18.9 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) का अगस्त 2025 में बिजली कारोबार सालाना आधार पर 18.9 बढ़कर 1180.3 करोड़ यूनिट हो गया। बढ़ती मांग के बावजूद एक्सचेंज पर बिजली की कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में कम रहीं, जिसका कारण आपूर्ति पक्ष की बेहतर नगदी रही। अगस्त में डे-अहेड मार्केट में बिजली का औसत मूल्य 4.00 रुपए प्रति यूनिट रहा, जो पिछले वर्ष से 7 फीसदी कम है। इस खंड में कुल 479.7 करोड़ यूनिट का कारोबार हुआ, जो जुलाई 2024 की तुलना में 3 फीसदी अधिक है और कुल कारोबार में इसका हिस्सा 34 फीसदी रहा। वहीं रियल टाइम मार्केट में कारोबार 44 फीसदी बढ़कर 502.9 करोड़ यूनिट हो गया। इसमें कीमत 3.38 रुपए प्रति यूनिट रही, जो सालाना 6 फीसदी की गिरावट दर्शाता है।

दिवाली पर हवाई किराया 50 फीसदी तक बढ़ा, उड़ानें कम हुईं

मुंबई । इस साल दीवाली सप्ताह (19 से 25 अक्टूबर) में हवाई किराया पिछले साल की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ गया है। मुंबई-पटना मार्ग का औसत इकॉनमी क्लास किराया 14,540 रुपए रहा, जबकि पिछले साल 9,584 रुपए था। बेंगलूरु-लखनऊ मार्ग पर किराया 9,899 से बढ़कर 6,720 रुपए हो गया है। रुपये की कमजोरी और विमानों की कमी इसके मुख्य कारण बताए जा रहे हैं। त्योहारों के कारण यात्रियों की संख्या बढ़ी है, जिससे अग्रिम बुकिंग भी तेज़ हो गई है। प्रमुख महानगरों जैसे दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु और चेन्नई में टिकट बुकिंग में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई है। इस साल अक्टूबर में घरेलू उड़ानों की संख्या प्रति सप्ताह 22,709 है, जो पिछले साल के 23,437 से 3.1 प्रतिशत कम है। एयर इंडिया का विमान रेट्रोफिटिंग कार्यक्रम उसकी उड़ान सेवा को प्रभावित कर रहा है। इंडिगो की उड़ान संख्या में मात्र 1.4 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई है।

भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें अक्टूबर तक शुरू, पर्यटन क्षेत्र में बढ़ेगी रौनक

नई दिल्ली । भारत और चीन के बीच रिश्तों में सुधार के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें अक्टूबर तक शुरू होने की उम्मीद है। इससे दोनों देशों के पर्यटन क्षेत्र को बड़ा फायदा मिलने वाला है। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स ने बताया कि अगर वीजा सुविधाओं और प्रचार अभियान को बेहतर तरीके से संभाला गया तो अगले 12 से 18 महीनों में चीन से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 20 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि संभव है। कोविड-19 महामारी के बाद बंद हुए हवाई रास्ते खुलने से यात्रा तेज, सुविधाजनक और किफायती होगी। एयर इंडिया, चाइना ईस्टर्न, चाइना सदर्न, एयर चाइना और चाइना एयरलाइंस जैसी प्रमुख एयरलाइनों ने उड़ान बहाली की घोषणा के बाद तुरंत सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर ली है। आईएटीओ के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि टूर ऑपरेटर और यात्रा एग्रीगेटर आकर्षक यात्रा पैकेज तैयार कर रहे हैं और डिजिटल बुकिंग सिस्टम में सुधार कर रहे हैं। फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी के अनुसार चीन से आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ने से भारत की पर्यटन उद्योग को कोविड-19 से पहले के स्तर को पार करने में मदद मिलेगी। विदेश मंत्रालय ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच यात्रा और पर्यटन को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया है।

आमजन को बड़ी राहतः जीवन रक्षक दवाओं और उपकरणों पर जीएसटी शून्य

- 33 जीवन रक्षक दवाएं टैक्स फ्री, 22 सितंबर से लागू होगा नया जीएसटी ढांचा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार शाम एक अहम घोषणा करते हुए गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) ढांचे में बड़ा बदलाव किया। इसका सबसे बड़ा असर स्वास्थ्य क्षेत्र और आम आदमी पर पड़ेगा। सरकार ने 33 जीवन रक्षक दवाओं पर लगने वाला 12 फीसदी जीएसटी पूरी तरह से खत्म कर दिया है। यानी अब ये दवाएं टैक्स फ्री होंगी। साथ ही कैंसर, रेयर बीमारियों और अन्य गंभीर क्रॉनिक बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली तीन प्रमुख दवाओं पर भी 5 फीसदी जीएसटी को घटाकर शून्य कर दिया गया है। इसके अलावा सभी सामान्य दवाओं और मेडिसिन्स पर जीएसटी को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इसमें ऑर्गेनो-थेरेप्यूटिक इस्तेमाल के लिए ग्लैंड्स और अन्य ऑर्गन्स, ग्लैंड्स या ऑर्गन्स के एक्सट्रैक्ट्स या उनके स्राव; हेपरिन और इसके साल्ट्स; मानव या पशु पदार्थ जो थेरेप्यूटिक या प्रोफिलैक्टिक उपयोग के लिए तैयार किए गए हों। इस फैसले से आम मरीजों को राहत मिलेगी और इलाज की लागत में कमी आएगी। सरकार ने टैक्स सिस्टम को सरल बनाते हुए नए जीएसटी ढांचे में अब सिर्फ दो स्लैब रखे हैं- 5 फीसदी और 18 फीसदी। वहीं सुपर लग्जरी और सिन गुड्स (जैसे शराब, तंबाकू आदि) पर 40 फीसदी का विशेष स्लैब लागू किया जाएगा। यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से प्रभावी होगा। मेडिकल, सर्जिकल, डेंटल और वेटरनरी उपकरणों पर भी जीएसटी 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इसमें डायग्नॉस्टिक किट्स, ब्लड ग्लूकोज मॉनिटर, बैंडेज और गॉज जैसे जरूरी उपकरण शामिल हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपय करीब 11 पैसे की गिरावट के साथ 88.13 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और अमेरिकी डॉलर में मजबूती के बीच रुपया अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में एक पैसे टूटकर 88.03 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से बाजार धारणा में सुधार हुआ और वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट ने स्थानीय मुद्रा में गिरावट को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.09 पर कमजोर रुख के साथ खुला। फिर इसमें तेजी आई और 87.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि फिर से फिसलकर 88.03 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.02 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.21 पर आ गया।

रिलायंस जियो की 9वीं वर्षगांठ पर फ्री असीमित डेटा और खास ऑफर

मुंबई । रिलायंस जियो ने अपनी 9वीं वर्षगांठ के मौके पर ग्राहकों के लिए बड़ा उपहार दिया है। कंपनी ने घोषणा की है कि 349 रुपये या उससे अधिक मूल्य वाले प्लान के ग्राहकों को 5 सितंबर से 5 अक्टूबर तक एक महीने के लिए फ्री असीमित डेटा मिलेगा। यह ऑफर मौजूदा प्लान के आधार पर अलग-अलग अवधि के लिए उपलब्ध होगा। साथ ही, इस ऑफर में मनोरंजन और अन्य ऐप की सब्सक्रिप्शन भी शामिल हैं। वर्तमान में जियो 5जी स्मार्टफोन वाले ग्राहकों को 349 रुपये या उससे अधिक वाले प्लान में अनलिमिटेड 5जी डेटा देती है। जियो ने उन ग्राहकों के लिए भी खुशखबरी दी है जिन्होंने लगातार 12 महीने तक 349 रुपये के प्लान का रिचार्ज किया है। ऐसे ग्राहकों को 13वें महीने की सेवा बिल्कुल मुफ्त मिलेगी। इस पहल से जियो अपने ग्राहकों को लंबे समय तक जोड़ने की कोशिश कर रही है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि जियो को 50 करोड़ से अधिक भारतीयों का भरोसा मिला है, जो इस कंपनी की ताकत का परिचायक है। उन्होंने सभी जियो उपयोगकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह मील का पत्थर कंपनी के लिए गर्व का विषय है। इसके साथ ही, जियो फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने प्रवर्तक समूह की कंपनियों से 3,956 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। सिक्का पोर्ट्स और जामनगर यूटिलिटीज को कुल 50 करोड़ वारंट आवंटित किए गए हैं। यह पूंजी जेएफएसएल के विस्तार में मदद करेगी।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के चौथे ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही जीएसटी पर आये फैसले के बाद बाजार ऊपर आया पर आईटी और पीएसयू बैंक शेयरों में बिकवाली से पड़े दबाव से फिर नीचे आने लगा। अंत में 30 शेयरो वाला बीएसई सेंसेक्स केवल 150 अंक की बढ़त लेकर 80,718.01 पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी अंत में 19.25 अंक या 0.08 फीसदी उछलकर 24,734.30 पर बंद हुआ।

आज महिंद्रा एंड महिंद्रा सहित वाहन ऑटो स्टॉक्स में तेजी से बाजार को बढ़त मिली। जीएसटी कार्उंसिल ने दो स्लैब वाले नए स्ट्रक्चर को मंजूरी दी है। इससे बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। ऑटो और एफएमसीजी शेयरों में इस फैसले का अच्छा प्रभाव देखा गया। आज सुबह सेंसेक्स तेजी के साथ 81,456.67 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 700 अंक तक उछल गया था। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ 24,980.75 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 24,980.75 अंक के इंट्रा-डे हाई तक गया। निफ्टी ने दिन की शुरुआत मजबूत बढ़त के साथ की। इसमें वाहन और कंज्यूमर स्टेपल्स सेक्टर की तेजी ने अहम भूमिका निभाई। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली और दिग्गज शेयरों में कमजोरी के कारण इंडेक्स नीचे आ गया।

एसटी 2.0 सुधारों से खपत-आधारित रिकवरी की उम्मीदें मजबूत हुई हैं। इसमें ऑटो और कंज्यूमर स्टेपल्स को सबसे अधिक लाभ मिलने की संभावना है। ।

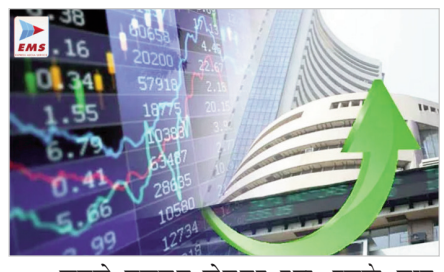

हालांकि वैश्विक मैक्रो अनिश्चितताओं, लगातार हो रही विदेशी निवेशकों की बिकवाली और अमेरिकी टैरिफ के दबाव के कारण बाजार पर विपरीत प्रभाव बना रहा है।आज कारोबार के दौरान बीएसई की कंपनियों में महिंद्रा, बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर लाभ में रहे। जबकि मारुति सुजुकी, बीईएल और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर गिरे।

इसी तरह प्रकार पर भी महिंद्रा, बजाज फाइनेंस और अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयर उछले। जबकि एचडीएफसी लाइफ, टाटा कंज्यूमर और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरे।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.67 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.71 फीसदी नीचे बंद हुआ। सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो निफ्टी ऑटो 0.85 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे मजबूत सेक्टर रहा, इसके बाद एफएमसीजी ने 0.24 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज की। गिरावट वाले सेक्टर्स में निफ्टी पीएसयू बैंक , आईटी और मीडिया क्षेत्र रहा।

वहीं एशियाई बाजारों में गुरुवार को तेजी देखी गई। यह तेजी वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में आई रैली के बाद देखने को मिली। उससे नैस्डैक कंपोजिट और एसएंडपी 500 में मजबूती आई। हालांकि आर्थिक चिंताओं के चलते निवेशकों की धारणा पर दबाव बना रहा। इस दौरान जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.57 फीसदी ऊपर ट्रेड कर रहा था। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.67 फीसदी बढ़ा चढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.16 फीसदी बढ़ा, जबकि चीन का सीएसआई 300 लगभग स्थिर रहा।

भारत बनेगा वैश्विक स्टील मांग का नया केंद्र, चीन की पकड़ होगी ढीली

- 2050 तक चीन की हिस्सेदारी घटकर 31 फीसदी होने की उम्मीद

मुंबई ।

आगामी दशकों में भारत वैश्विक स्टील की मांग का प्रमुख केंद्र बनकर उभरने जा रहा है, जबकि चीन की पकड़ इस क्षेत्र में कमजोर होती दिखाई दे रही है। वर्ष 2024 में चीन की वैश्विक स्टील खपत में हिस्सेदारी 49 फीसदी थी, जो 2050 तक घटकर 31 फीसदी हो जाने का अनुमान है। इसके विपरीत भारत की हिस्सेदारी वर्तमान 8 फीसदी से बढ़कर सदी के मध्य तक 21 फीसदी तक पहुंच सकती है। एक शोध संस्था के अनुसार चीन में स्टील की मांग में गिरावट का मुख्य कारण वहां की अर्थव्यवस्था का पारंपरिक बुनियादी ढांचे-आधारित विकास मॉडल से हटना है। चीन में स्टील की प्रमुख मांग रियल एस्टेट क्षेत्र से आती थी, जो अब लगातार कमजोर हो रहा है। साथ ही, चीन में अधिशेष उत्पादन भी बढ़ने की आशंका है। 2050 तक यह अधिशेष 50 टन तक पहुंच सकता है, और दीर्घकाल में यह 350 टन से भी अधिक हो सकता है। शांदोंग और जियांग्सू जैसे प्रमुख प्रांतों ने उत्पादन में कटौती शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर, भारत का परिदृश्य मजबूत बना हुआ है। वर्ष 2024 में देश में स्टील की मांग में 8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और 2025 में इसमें 7 फीसदी से अधिक की वृद्धि की संभावना है। दीर्घावधि में यह वृद्धि 4-5 फीसदी सालाना रहने की उम्मीद है। इस वृद्धि के पीछे सरकार की यातायात गलियारे, नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी विकास जैसी परियोजनाओं में निवेश और वाहन व मशीनरी क्षेत्रों में बढ़ती मांग जिम्मेदार है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक स्टील उद्योग में नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है।

मदर डेयरी उपभोक्ताओं तक पहुंचाएगी जीएसटी कटौती का लाभ

नई दिल्ली ।

मदर डेयरी ने गुरुवार को घोषणा की कि वह केंद्र सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादों पर की गई जीएसटी कटौती का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को देगी। यह निर्णय पनीर, चीज़, घी, मक्खन, यूएचटी दूध, दूध आधारित पेय और आइसक्रीम जैसे उत्पादों पर लागू होगा। मदर डेयरी के एक प्रमुख अे धिकारी ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इससे मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पादों की पहुंच उपभोक्ताओं तक बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि पैकेज्ड श्रेणी की मांग तेजी से बढ़ रही है और इस सुधार से उसमें और इज़ाफा होगा। कंपनी ने यह भी आश्वासन दिया कि वह इस कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे न सिर्फ उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, बल्कि किसानों को भी अधिक अवसर मिलेंगे।

उच्च यील्ड और नकदी की भरमार से कॉर्पोरेट्स का उधारी से किनारा

- बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के बावजूद कंपनियां पूंजीगत खर्च के लिए बैंक ऋण लेने से बच रही हैं

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनियां इन दिनों पूंजी जुटाने के पारंपरिक साधनों जैसे बैंक ऋण और कॉर्पोरेट बॉन्ड का कम इस्तेमाल कर रही हैं, भले ही बॉन्ड यील्ड में तेजी देखी जा रही हो। विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों के पास पर्याप्त नकदी होने के चलते वे नई परियोजनाओं के लिए उधारी लेने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहीं। जुलाई-अगस्त 2025 में कंपनियों ने केवल 1.19 लाख करोड़ रुपये की पूंजी घरेलू ऋण पूंजी बाजार से जुटाई, जबकि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में यह आंकड़ा 3.42 लाख करोड़ रुपये था। जुलाई में बॉन्ड के जरिए 69,125 करोड़ और अगस्त में 50,152 करोड़ रुपये जुटाए गए। बॉन्ड बाजार में यील्ड में 20-25 आधार अंक की वृद्धि हुई है, जिससे निवेशकों का रुख सरकारी प्रतिभूतियों और राज्य विकास ऋण की ओर बढ़ गया है। इस बदलाव के चलते कॉर्पोरेट बॉन्ड की मांग कमजोर हुई है। जुलाई की शुरुआत में 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड 6.3 फीसदी थी, जो अगस्त के अंत तक 6.6 फीसदी पर पहुंच गई। बैंक ऋण की मांग भी सुस्त रही है।

आरबीआई के अनुसार, 25 जुलाई को समाप्त पखवाड़े में ऋण वृद्धि दर सालाना 6 फीसदी रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 10.2 फीसदी थी। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि यील्ड में अस्थिरता और उचित मूल्य का आकलन मुश्किल होने के कारण कॉर्पोरेट उधारी में अनिश्चितता बनी हुई है। जब तक यील्ड स्थिर नहीं होती या कंपनियों की कैपेक्स योजना आगे नहीं बढ़ती, ऋण बाजार में रफ्तार की उम्मीद कम है।

मोटर वाहन उद्योग ने जीएसटी दरों में कटौती को बताया समयानुकूल फैसला

उद्योग संगठनों ने सरकार के कदम को साहसिक सुधार बताया

मुंबई ।

सरकार द्वारा मोटर वाहनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती के फैसले का मोटर वाहन उद्योग ने जोरदार स्वागत किया है। उद्योग का मानना है कि यह निर्णय समय पर लिया गया है और इससे वाहनों की मांग में वृद्धि होगी, जिससे पूरे सेक्टर को नई ऊर्जा मिलेगी। सोसायटी ऑफ इंडिया ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा वाहनों पर जीएसटी को 18 फीसदी से 40 फीसदी के बीच निर्धारित करना उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार जल्द ही बिना बिके वाहनों पर क्षतिपूर्ति उपकर से संबंधित तंत्र को भी अधिसूचित करेगी, जिससे इस बदलाव को सुचारू रूप से लागू किया जा सके। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक अे धिकारी ने इसे साहसिक और प्रगतिशील सुधार बताया और कहा कि यह कदम सामर्थ्य बढ़ाएगा व परिवहन क्षेत्र को समावेशी बनाएगा।

वहीं ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अे धिकारी ने सभी ऑटो पार्ट्स पर 18 फीसदी की एक समान जीएसटी दर तय करने को ऐतिहासिक कदम बताया। टीवीएस मोटर कंपनी ने इसे समाज के सभी वर्गों के लिए खपत बढ़ाने वाला निर्णय बताया। उद्योग को उम्मीद है कि इस सुधार से न केवल बिक्री में वृद्धि होगी, बल्कि उत्पादन, निवेश और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

भारतीय उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क का असर कम करने सरकार सक्रिय

पीयूष गोयल की उद्योग प्रतिनिधियों संग बैठक, गुणवत्ता सुधार और वैकल्पिक बाजारों की तलाश पर जोर

नई दिल्ली।

अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 50 फीसदी तक के शुल्क के प्रभाव को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने सक्रिय पहल शुरू कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने निर्यात संवर्धन परिषदों और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक कर इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में गोयल ने उद्योग को भरोसा दिलाया कि सरकार कारोबारी सुगमता, लक्षित व्यापार समर्थन और समय पर नीतिगत हस्तक्षेप के जरिये मौजूदा चुनौतियों का समाधान निकालने में जुटी है। उन्होंने निर्यातकों से आग्रह किया कि वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारें, वैश्विक मानकों के अनुरूप ढलें और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाकर वैकल्पिक बाजारों की तलाश करें। वाणिज्य विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बैठक में वैकल्पिक व्यवस्थाओं की जरूरत पर व्यापक सहमति बनी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्यात वृद्धि को रफ्तार देने और विभिन्न क्षेत्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति पर काम चल रहा है। उद्योग प्रतिनिधियों ने अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क के चलते बढ़ती लागत और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आई कमी की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने मांग की कि सरकार शुल्क के अतिरिक्त बोझ को साझा करे और प्रस्तावित निर्यात संवर्धन मिशन को जल्द लागू किया जाए। सरकार ने आश्वस्त किया कि निर्यातकों को उपयुक्त माहौल देने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

इंडिया पोस्ट ने अमेरिका के लिए डाक सेवाएं निलंबित कीं

नई दिल्ली ।

अमेरिका ने 800 डॉलर तक के सामान पर लागू शुल्क-मुक्त डी-मिनिमिस छूट को खत्म कर दिया है। इससे अब अमेरिका में छोटे मूल्य के आयात पर भी शुल्क और कर लगना शुरू हो गया है। इस कदम के विरोध में इंडिया पोस्ट ने अमेरिका के लिए अपनी सभी डाक सेवाएं निलंबित कर दी हैं।

2023 में इंडिया पोस्ट ने अमेरिका को 1.3 करोड़ पत्र भेजे थे, जो 2018 की तुलना में 80 फीसदी कम हैं। हालांकि, पार्सल भेजने में वृद्धि हुई है, जो 5.3 लाख पर पहुंच गया है। कोविड-19 के दौरान अमेरिका में डी-मिनिमिस आयात बढ़कर 67 अरब डॉलर हो गया था। वित्त वर्ष 2025 के नौ महीनों में यह लगभग 50 अरब डॉलर तक पहुंच गया। चीन की हिस्सेदारी घटकर 57.9 फीसदी रह गई है, जबकि कनाडा और ब्रिटेन की हिस्सेदारी बढ़ रही है। इस फैसले से भारत से अमेरिका जाने वाली डाक सेवाओं और ई-कॉमर्स व्यापार पर बड़ा असर पड़ सकता है। इंडिया पोस्ट को नई रणनीतियां बनानी होंगी या अन्य बाजारों की ओर रुख करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने क्रिकेट से लिया संन्यास, 8 साल पहले खेला था आखिरी मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने बृहस्पतिवार को क्रिकेट के हर प्रारूप को अलविदा कर दिया जिससे उनके 15 साल से अधिक के करियर पर विराम लग गया। भारत के लिए आखिरी बार 2017 में खेलने वाले 42 वर्ष के मिश्रा 2024 तक आईपीएल खेले हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने क्रिकेट से संन्यास का फैसला ले लिया है।' उन्होंने भारत के लिए 22 टेस्ट, 36 वनडे और 10 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2008 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

गुरवार को एक बयान में मिश्रा ने कहा कि पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने का उनका फैसला बार-बार होने वाली चोटों और अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को बड़े मंच पर चमकने के पर्याप्त अवसर देने के विश्वास से प्रभावित था। उन्होंने कहा, 'मैं उन प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिनके प्यार और समर्थन ने मुझे जब भी और जहां भी मैंने खेला, इस सफर को यादगार बना दिया। क्रिकेट ने मुझे अनगिनत यादें और अमूल्य सीख दी हैं और मैदान पर बिताया हर पल एक यादगार पल है जिसे मैं जिंदगी भर संजो कर रखूंगा।'

मिश्रा ने 2003 में बांग्लादेश में एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, लेकिन मोहाली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के लिए उन्हें 2008 तक इंतजार करना पड़ा, जहां वे अपने पहले ही मैच में 5 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए। 2013 में उन्होंने जिम्बाब्वे के 5 मैचों की श्रृंखला में 18 विकेट लेकर जवागल श्रीनाथ के द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट लेने के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने बांग्लादेश में 2014 टी20 विश्व कप में भी खेला, जहां उन्होंने 14.70 की औसत और 6.68 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट लिए जिसमें भारत उप-विजेता रहा।

2017 में भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेलने के बाद मिश्रा ने घरेलू क्रिकेट और IPL खेलना जारी रखा। उनका आखिरी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट मैच IPL 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ था, जहां उन्होंने 1-20 का औसत हासिल किया। मिश्रा हरियाणा के लिए एक शानदार घरेलू क्रिकेट करियर के अलावा IPL में सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिन्होंने 162 मैचों में 23.82 की औसत और 7.37 की इकॉनमी रेट से 174 विकेट लिए हैं। उनके नाम IPL के इतिहास में तीन हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज होने का रिकॉर्ड भी है। संयोग से मिश्रा की IPL हैट्रिक तीन अलग-अलग टीमों के लिए आईं:

2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), 2011 में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और 2013 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए। भविष्य को देखते हुए मिश्रा ने कहा कि वह युवा क्रिकेटरों को कोचिंग, कमेंट्री और मार्गदर्शन के माध्यम से खेल से जुड़े रहना चाहते हैं, साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और यूट्यूब के माध्यम से प्रशंसकों के साथ नियमित रूप से बातचीत करना चाहते हैं।

(ईडी) ने अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में धवन से पूछताछ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में गुरुवार को उनसे पूछताछ की। धवन भी कुछ गेमिंग कंपनियों के विज्ञापन से जुड़े हैं। वहीं सरकार ने हाल ही में सभी ऑनलाइन गैमिंग कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार सुबह कथित अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में धवन से पूछताछ शुरू की। ईडी ने गुरुवार सुबह 11 बजे धवन को मुख्यालय में बुलाया। जिससे प्रचार और विज्ञापनों के माध्यम से ऐप से उनके कथित संबंधों और विज्ञापनों से हुई आय का पता लगाया जा सके।

धवन से मुख्यालय पहुंचने के तुरंत बाद पूछताछ शुरू हुई और उन्हें जांचकर्ताओं के सामने पेश किया गया। इससे पहले इस मामले में सुरेश रैना सहित कुछ अन्य क्रिकेटरों से भी पूछताछ हुई थी। वे मशहूर सितारे जो ऐप से किसी भी प्रकार जुड़े रहे हैं उनसे इस मामले में पूछताछ हुई है। इन ऐप पर कर चोरी और निवेशकों से धोखाधड़ी का संदेह है। इसमें कई अभिनेता भी शामिल हैं। यह मामला भारत में संचालित एक कथित अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़ा है, जिस पर मनी लॉन्ड्रिंग, कर चोरी और अपने एल्गोरिदम में हेराफेरी का संदेह है। केंद्र सरकार ने हाल ही में एक कानून लाकर पैसे वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में अब आगे इस तरह के ऐप का न कोई प्रमोशन होगा और न ही इसे भारत में संचालित किया जा सकेगा।

बीबीएल में खेलने वाले पहले भारतीय बन सकते हैं अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन आईपीएल से संन्यास के बाद अब ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) में भी खेलते हुए नजर आ सकते हैं। अभी तक किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने इस लीग से नहीं खेला है। ऐसे में अगर अश्विन बीबीएल के लिए करार करते हैं तो अन्य भारतीय खिलाड़ियों का भी संन्यास के बाद एक नया विकल्प मिल जाएगा। कोई भी भारतीय क्रिकेटर संन्यास के बाद इस लीग में नहीं खेला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने स्वयं अश्विन से संपर्क किया है। उन्होंने अश्विन के आईपीएल से संन्यास लेने के तुरंत बाद उनसे बात की। ग्रीनबर्ग ने कहा कि अश्विन जैसे बड़े खिलाड़ी के बीबीएल में लाने से लीग का आकर्षण बढ़ेगा। वह एक चैंपियन क्रिकेटर हैं, जो लीग में और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में बहुत कुछ कर सकते हैं। इससे साफ है कि सीए इस करार को लेकर उत्सुक है। हालांकि, बीबीएल में अश्विन को लाने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को एक खास व्यवस्था करनी पड़ सकती है। इसके पीछे का कारण ये है कि अधिकांश टीमों ने अपने खिलाड़ियों पर अपना पर्स खर्च कर दिया है। ऐसे में अश्विन को देने के लिए उनके पास ज्यादा पैसे नहीं होंगे। सूत्रों की मानें तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया डेविड वॉर्नर की तरह अश्विन को प्रति मैच के हिसाब से भुगतान कर सकती है। दो सत्र पहले वॉर्नर को हर मैच के लिए लगभग 80,000 ऑस्ट्रेलियन डॉलर यानी करीब 46 लाख रुपये मिलते थे। ऐसे में अश्विन के लिए भी इसी तरह का कोई खास करार तैयार किया जा सकता है। इसके साथ-साथ ब्रांड या एंडोर्समेंट डील भी इस समझौते का हिस्सा हो सकती हैं।अगर अश्विन और बीबीएल के बीच डील होती है तो यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ा कदम होगा, क्योंकि तमाम ऐसे क्रिकेटर हैं, जिनको भारत की टीम में या आईपीएल में मौका नहीं मिलता तो वे बीबीएल का रुख कर सकते हैं।

दलीप ट्रॉफी 2025: दूसरे सेमीफाइनल में छाए ऋतुराज गायकवाड़, लगाई बेहतरीन सेंचुरी

बेंगलुरु (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में वेस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच भिड़ंत हो रही है। जहां वेस्ट जोन के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने कमाल कर दिया है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पहली पारी में बेहतरीन सेंचुरी ठोकी है। गायकवाड़ ने अपनी क्लास दिखाते हुए 13 चौकों के दम पर अपना शतक पूरा किया। गायकवाड़ की सेंचुरी इसलिए भी खास है क्योंकि सेंट्रल जोन के खिलाफ वेस्ट जोन ने अपने दो धाकड़ बल्लेबाजों को पहले ही खो दिया था। यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर दोनों ही बल्लेबाज पहली पारी में फेल रहे। जहां जायसवाल ने महज 4 तो अय्यर ने 25 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड़ ने दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपने ही अंदाज में खेलते हुए स्ट्राइक रोटेशन के साथ-साथ क्लासिक चौके भी जड़े। बिना रिस्क लेते हुए गायकवाड़ ने 70 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से सेंचुरी लगाई। वो फर्स्ट क्लास करियर में 8वीं बार सैकड़ा लगाने में कामयाब रहे। गायकवाड़ के साथ श्रेयस अय्यर भी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, उन्होंने चार चौके लगा दिए थे लेकिन तेजी से बल्लेबाजी के फेर में वो 28 गेंदों में 25 रन पर बोल्ड हो गए। गायकवाड़ हालांकि, क्रीज पर जमे रहे और उन्होंने लंच के बाद अपनी सेंचुरी पूरी की। बाएं हाथ के बल्लेबाज यशस्वी

जायसवाल भी इंग्लैंड दौरे के बाद पहली बार मैदान पर दिखाई दिए और ये खिलाड़ी सिर्फ 3 ही गेंद खेलकर पवेलियन लौट गया। जायसवाल को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। हार्विक देसाई भी दीपक चाहर का शिकार हो गए, वो एक रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आर्या देसाई ने ऋतुराज के साथ मिलकर 82 रनों की साझेदारी की जिससे वेस्ट जोन की टीम शुरुआती झटकों से उबर पाई।

युकी भांबरी यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे, इतिहास रचने से 2 जीत दूर

यूएस ओपन 2025 से भारतीय फैंस के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी ने मेन्स डबल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भांबरी और न्यूजीलैंड के माइकल वीनस की जोड़ी ने अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीत लिया। 13वीं वरीयता प्राप्त भांबरी-वीनस ने बुधवार को न्यूयॉर्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल में 11वीं सीड राजीव राम और निकोला मेटकिक को 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। ये मैच 2 घंटा और 37 मिनट तक चला। पहली बार युकी भांबरी किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह पिछले साल यूएस ओपन में प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। अब मौजूदा प्रदर्शन से युकी भांबरी डबल्स रैंकिंग में टॉप-25 में पहुंच जाएंगे।

बता दें कि, आखिरी बार किसी भारतीय ने यूएस ओपन का खिताब 2015 में जीता था। उस दौरान लिएंडर पेस और सानिया मिर्जा क्रमशः मिक्स्ड डबल्स और महिला डबल्स में चैंपियन बने थे। रोहन बोपन्ना 2023 में यूएस ओपन के फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन खिताब जीतने से चूक गए थे। युकी भांबरी-माइकल वीनस ने बेहतरीन शुरूआत करते हुए पहला सेट 6-3 से जीता। दूसरा सेट बेहद रोमांचक रहा और टाई-ब्रेक तक खिंच गया। इस दौरान युकी डबल फॉल्ट कर बैठे, जिसका फायदा उठाकर राम-मेटकिक ने टाईब्रेकर को 8-6 से जीत मैच को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक सेट में भांबरी-वीनस ने बेहतरीन वापसी की और जल्दी ही ब्रेक हासिल करके हासिल कर बढ़त बनाई, जो निर्णायक रहा।

धोनी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, टीवी विज्ञापनों के मामले में अमिताभ बच्चन सहित कई बड़ी हस्तियों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी भले ही 5 साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके हों लेकिन उनका जलवा अभी भी कायम है। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि 2025 में सबसे ज्यादा टीवी विज्ञापन करने वालों में पहला नाम थाला यानि धोनी का है और उन्होंने टीवी विज्ञापनों के रिकॉर्ड तोड़ते हुए अमिताभ बच्चन, विराट कोहली सहित कई बड़ी हस्तियों को पीछे छोड़ दिया है। अ्ररू स्रश्च× की टीवी विज्ञापन रिपोर्ट (जनवरी-जून) के अनुसार धोनी 2025 की पहली छमाही में भारतीय टेलीविजन पर दूसरे सबसे ज्यादा दिखाई देने वाले सेलिब्रिटी बनकर उभरे हैं। ब्रांड एंडोर्समेंट के मामले में धोनी ने केवल 6 महीनों में 43 ब्रांडों के साथ काम कर शीर्ष स्थान हासिल किया, जो पिछले वर्ष के उनके 42 ब्रांडों के आंकड़े को पार कर गया। यह आंकड़ा अमिताभ बच्चन द्वारा 2024 के पूरे वर्ष के लिए किए गए कुल विज्ञापनों से भी ज्यादा है। शाहरुख खान ब्रांड संख्या में धोनी के बाद 35 विज्ञापनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं जबकि दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन 28 विज्ञापनों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। धोनी को प्रतिदिन औसतन 22 घंटे टीवी विज्ञापनों में देखा गया, जो सभी टेलीविजन चैनलों पर कुल विज्ञापनों की संख्या का लगभग 7त्न था। यह उन्हें भारतीय विज्ञापन जगत के सबसे भरोसेमंद चेहरों में से एक बनाता है। सबसे ज्यादा दिखाई देने वाले टीवी सेलेब्रिटीज़ की सूची में शामिल होने वाले अन्य क्रिकेटरों में विराट कोहली और राहुल द्रविड़ शामिल हैं। द्रविड़ की औसत दैनिक दृश्यता 6.4 घंटे और कोहली की 6.3 घंटे थी। दोनों ने कुल विज्ञापन मात्रा में लगभग 2त्न का योगदान दिया।

इगा स्वियाटेक को हराकर अमांडा अनिसिमोवा यूएस ओपन के सेमीफाइनल में

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमांडा अनिसिमोवा ने बुधवार को यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर दो टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक को 6-4, 6-3 से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। यह उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी और अहम जीत मानी जा रही है। करीब आठ हफ्ते पहले ही उन्हें विंबलडन फाइनल में स्वियाटेक के हाथों हार झेलनी पड़ी थी, लेकिन इस बार उन्होंने पूरी मजबूती और आत्मविश्वास के साथ वापसी करते हुए जीत हासिल की।

शुरुआत में दबाव, फिर लय में लौटीं

मैच की शुरुआत में स्वियाटेक ने तेजी से दबाव बनाया और जल्दी ब्रेक हासिल किया। लेकिन अनिसिमोवा ने हार नहीं मानी। उन्होंने तीसरे ब्रेक प्वाइंट पर एक शानदार फोरहैंड मारकर वापसी की और पहला सेट जीतकर आत्मविश्वास हासिल किया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पहला गेम जीतने से मुझे राहत मिली और मैं फिर सहज होकर खेल सकी।'

पहला सेट कड़ा लेकिन अहम

पहला सेट काफी टक्कर वाला रहा। अनिसिमोवा ने कई अहम मौकों पर शानदार शॉट लगाए और स्वियाटेक की दूसरी सर्विस पर ज़्यादातर अंक जीत लिए। उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट की शुरुआत में स्वियाटेक ने 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अनिसिमोवा ने वापसी करते हुए गेम को अपने पक्ष में कर लिया। उन्होंने स्वियाटेक की सर्विस तोड़ी और मैच में नियंत्रण बनाए रखा। स्वियाटेक की लगातार गलतियों और कमजोर सर्विस का उन्होंने पूरा फायदा उठाया।

मानसिक तौर पर तैयार थीं

अनिसिमोवा ने बताया कि उन्होंने मैच से पहले विंबलडन की हार दोबारा देखी, ताकि समझ सकें कि गलती कहाँ हुई थी। उन्होंने कहा, 'मैंने खुद को मानसिक रूप से तैयार किया था। डर बिल्कुल भी नहीं था और मैं खुद को लगातार प्रोत्साहित कर रही थी।'

स्वियाटेक ने मानी हार की वजह

स्वियाटेक ने माना कि उनकी सर्विस में कमी रही और अनिसिमोवा ने उनकी दूसरी सर्विस पर बेहतरीन रिटर्न लगाए। उन्होंने कहा, 'मेरी सर्विस ने आज फर्क पैदा किया।'

अब अगली चुनौती सेमीफाइनल में

अब अनिसिमोवा का सामना सेमीफाइनल में या तो नाओमी ओसाका या करोलिना मुचोवा से होगा। अनिसिमोवा ने कहा, 'दोनों खिलाड़ी मजबूत हैं, मुझे पूरे ध्यान से खेलना होगा।'

जीत से बढ़ा आत्मविश्वास

अनिसिमोवा ने कहा, 'यह मेरे करियर की सबसे खास जीत है। इससे मुझे यकीन हो गया है कि मैं दुनिया की टॉप खिलाड़ियों के साथ मुकाबला कर सकती हूँ।'

एकदिवसीय विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी पाक टीम : सना

लाहौर। आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप के लिए पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना ने कहा है कि उनकी टीम भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। पाक टीम अपना पहला मैच दो अक्टूबर को कोलंबो में बांग्लादेश से खेलेगी। महिला विश्व कप में पाकिस्तान की टीम पांच बार खेल चुकी है लेकिन 1997, 2013 और 2017 में एक भी मैच नहीं जीत सकी।

पिछली बार 2022 में उसे एकमात्र जीत हैमिल्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली लेकिन बाकी सारे मैच हारकर टीम आखिरी स्थान पर रही थी। पाकिस्तान के लिये 34 एकदिवसीय में 397 रन बनाने और 45 विकेट लेने वाली फातिमा को भरोसा है कि इस बार उनकी टीम जीतेग क्योंकि उसमें शामिल युवा खिलाड़ियों को पता है कि उनके प्रदर्शन से देश में महिला क्रिकेट का विकास होगा। उन्होंने कहा, ''युवा खिलाड़ियों को पता है कि पाकिस्तान महिला क्रिकेट के लिये यह टूर्नामेंट कितना अहम है। हम अतीत के बारे में नहीं सोचेंगे। मेरा लक्ष्य टीम को सेमीफाइनल तक ले जाना है।'' उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी पर भी पिछले एक साल में काफी काम किया गया है। उन्होंने कहा, ''हमारे पास अच्छे गेंदबाज हैं और स्पिनर हमारे ट्रंपकार्ड होंगे। हम बल्लेबाजी से ज्यादा गेंदबाजी पर निर्भर करेंगे लेकिन पिछले एक साल में बल्लेबाजी पर काफी काम किया है जिसका परिणाम मिलेगा।'' उन्होंने कहा कि टीम का ध्यान क्वालीफायर वाली लय को कायम रखने पर होगा और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टूर्नामेंट से पहले होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला से टीम संयोजन तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''टीम अच्छी लय में है और क्वालीफायर में उम्दा प्रदर्शन के बाद सभी का मनोबल बढ़ा हुआ है। टीम में वही खिलाड़ी टीम में हैं जो क्वालीफायर खेली थीं। छह खिलाड़ियों का यह पहला विश्व कप है और वे काफी उत्साहित हैं।'' फातिमा ने कहा, ''विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में कप्तानी करने को लेकर दबाव तो है पर वह भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेती हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैने उनके भारत के कप्तान के तौर पर और आईपीएल के भी मैच देखे हैं। वह जिस तरह मैदान पर फैसले लेते हैं, शांत रहते हैं और अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं, उससे काफी कुछ सीखने को मिलता है। जब मुझे कप्तानी मिली थी तभी मैने सोचा था कि धोनी की तरह बनना है।''

टेस्ट को रोमांचक बनाने जब चाहे नई गेंद लेने का नियम शुरु करें : कुक

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट को रोमांचक बनाने के लिए गेंद बदलने के नियम में बदलाव करना है। कुक ने कहा है कि अभी 80 ओवरों के बाद ही गेंद बदली जाती है जबकि ऐसा करना चाहिये कि कभी भी गेंद बदली जा सके। का इस्तेमाल किसी भी ओवर से कर सकते हों। अभी के लिए ये निमय 80 ओवर के बाद शुरू होता है। एलिस्टर कुक ने ये बात पूर्व कप्तान माइकल वॉन, डेविड लॉयड और फिल टफनेल के साथ खेल के नियमों में बदलाव की बात करते हुए कही। उनका कहना था कि इससे खेल और बेहतर होगा। इसी दौरान कुक ने कहा कि कभी भी गेंद बदलने से एक मैच में 20 विकेट लेने में सहायता मिल सकती है, साथ ही फैसल लेने में एक और रणनीतिक पहलू भी जुड़ सकता है। एक कार्यक्रम में कुक ने कहा, मैं एक नया नियम जोड़ना चाहूंगा कि 160 ओवरों में आप जब चाहें नई गेंद ले सकें? कुक ने कहा, आपके पास 160 ओवरों के लिए दो नई गेंदें होती हैं। ऐसे में नियम ये होना चाहिए कि आप जब चाहें दूसरी गेंद ले सकते हैं। आप चाहें तो 30 ओवरों के बाद दूसरी नई गेंद ले सकते हैं। अभी जो नियम नई गेंद को लेकर है उसमें गेंदबाजी करने वाली टीम के पास हर 80 ओवर के बाद एक नई गेंद लेने का विकल्प होता है पर कुक के सुझाव के बाद उन्हें पहले भी नई गेंद लेने का अवसर मिल सकता है, जिससे वे विकेट निकाल सकें।

विराट कोहली और रोहित शर्मा पर बोले पूर्व क्रिकेटर, हम एक प्रदर्शन-आधारित उद्योग में हैं

बेंगलुरु (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के दौरान भारतीय वनडे टीम में अपनी बहुचर्चित वापसी के लिए तैयार हैं। लंबे समय से टीम से जुड़े ये दोनों खिलाड़ी पिछले एक साल में टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और 50 ओवरों के प्रारूप में अपने भविष्य को लेकर भी चुप्पी साधे हुए हैं। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि मौजूदा टीम प्रबंधन नहीं चाहता कि ये दोनों ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के बाद खेलना जारी रखें। हालांकि पूर्व भारतीय क्रिकेटर दीप दासगुप्ता ने जोर देकर कहा है कि किसी को भी यह तय करने का अधिकार नहीं है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से कब संन्यास लेना चाहिए।

दासगुप्ता ने कहा, 'किसी ने भी यह सही नहीं किया। हमने उन्हें कभी शुरुआत करने के लिए नहीं कहा, इसलिए हम उन्हें यह बताने वाले कोई नहीं होते कि कब रुकना है। वे जब रुकते हैं, तब रुकते हैं। यह पूरी तरह से उन पर निर्भर करता है। हां, जहां तक चयन का सवाल है तो हम एक प्रदर्शन-आधारित उद्योग में हैं। आप प्रदर्शन करते रहें, आप बने रहें। इसमें कोई दो राय नहीं है। मैंने हाल ही में उनकी (रोहित) तस्वीरें देखीं, वह फिट दिख रहे हैं, वह पूरी तरह से तैयार हैं और आने वाली चुनौती के लिए तैयार हैं।'

पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उन दोनों के पास आगे बढ़ने के लिए कुछ साल बाकी हैं। मुझे सचमुच थोड़ा गुस्सा आता है जब लोग कहते हैं, 'ओह, इस आदमी को संन्यास ले लेना चाहिए'। मेरा मतलब है कि हम कौन होते हैं ऐसा सुझाव देने वाले?' अगले 12 महीनों में वनडे मैचों की कमी पर बात करते हुए दासगुप्ता का मानना है कि अगर रोहित और कोहली मैच के लिए फिट रहना चाहते हैं तो उन्हें IPL के अलावा विदेशों में खेलने के मौके भी तलाशने चाहिए।

उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए IPL दो महीने तक चलेगा। फिर वे 7-8 या शायद 8-9 वनडे मैच खेलेंगे। इस बीच विजय हजारे ट्रॉफी है। फिर अगर वे चाहें, तो इंग्लैंड जाकर 50 ओवर का मैच खेल सकते हैं। इसलिए आपके पास क्रिकेट खेलते रहने के विकल्प हैं, भले ही उच्चतम स्तर या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न हों, लेकिन आपके पास अभी भी विकल्प हैं।'

दासगुप्ता ने कहा अगर दोनों मानदंड पूरे कर लेते हैं, तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में लीग क्रिकेट खेलने के विकल्पों पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि इसकी कोई संभावना है या नहीं, शायद

दक्षिण अफ्रीका जाएं या ऑस्ट्रेलिया जाकर वहां कुछ 50 ओवर के मैच खेलें। मुझे पता है, जहां तक इंग्लैंड का सवाल है कि यह निश्चित रूप से एक विकल्प है। हालांकि मुझे दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से जुड़े नियमों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन असल बात है भूख। अगर उनमें पर्याप्त भूख है, तो वे कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेंगे।'

भुवनेश्वर अभी संन्यास नहीं लेंगे

नई दिल्ली। मध्यम तेज गति के गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का करियर अब समापत होने की ओर बढ़ रहा है। पिछले काफी समय में उन्हें भारतीय टीम में किसी भी प्रारुप में अवसर नहीं मिला है। भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 14 मैच में 17 विकेट हासिल किए फिर भी चयनकर्ताओं ने उनके नाम पर विचार तक नहीं किए। टीम इंडिया में वापसी को लेकर भूवी ने कहा, मैं अपनी गेंदबाजी का आनंद ले रहा हूं। मैंने अभी संन्यास के बार में सोचा नहीं है। जब तक मैं फिट रहूंगा, खेलना जारी रखूंगा। बाकी का काम चयनकर्ताओं का है। भुवनेश्वर कुमार अभी उत्तर प्रदेश प्रीमियर लीग 2025 में मेरठ मेवरिक्स के लिए लिए खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक 8 मैच में 9 विकेट ले चुके हैं और वो भी सिर्फ 6.76 की इकॉनमी रेट से। टीम इंडिया में वापसी नहीं हो पाने को लेकर कुमार ने कहा, चयनकर्ता इस सवाल का जवाब देंगे। मेरा काम मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देना है। यूपी लीग के बाद अगर मुझे मुश्ताक अली, रणजी या यूपी के लिए एकदिवसीय प्रारुप में अवसर मिला तो मैं वहां भी अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा। एक अनुशासित गेंदबाज के तौर पर मेरा ध्यान हमेशा फिटनेस बनाये रखने और लाइन-लेंथ के साथ ही अपना सर्वहश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर रहता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम और किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरूआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरूआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं।

लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरूआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

-अपने दिन की शुरूआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।
-बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।
-इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।
-अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग-अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।
-कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।
-बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।
-इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।
-बादाम और किशमिश के सेवन से बल्ड प्रेशर कंट्रोल होता है।
-जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए।
-आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

-रात में 4-5 बादाम और 5-6 किशमिश को भिगो दें।
-सुबह बादाम का छिलका उतार दें।
-इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।
-इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलूबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलूबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलूबुखारे में फाइबर और आयरन भी अधिक मात्रा में होता है। वहीं खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।

बच्चों के कब्ज की समस्या को दूर करेंगे ये उपाय...

कब्ज एक ऐसी समस्या है, जो सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बच्चों को भी परेशान कर सकती है। खासतौर से, जब बच्चे फार्मूला मिल्क लेते हैं या फिर सॉलिड फूड लेते हैं तो उनके बाउल मूवमेंट में परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यूं तो बच्चों को कब्ज की समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेने की हिदायत दी जाती है, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय भी उनकी काफी मदद कर सकते हैं। तो चलिए आज इस आसान उपायों के बारे में ही जानते हैं-

पेट की करें मालिश

शिशुओं और छोटे बच्चों में कब्ज की समस्या होने पर पेट की मालिश करना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप बच्चे की हल्की मसाज करें या फिर उसके पैरों को साइकिल चलाने की तरह चलाएं। इससे उसे मल त्याग करने में काफी मदद मिलती है।

नेचुरल लैक्सेटिव की लें मदद

जब बच्चे को कब्ज की शिकायत होती है तो ऐसे में उसे नेचुरल लैक्सेटिव देना अच्छा विचार हो सकता है। इसलिए, आप उसकी डाइट में आलूबुखारा, सेब और नाशपाती आदि को शामिल करें। इन फलों में सोर्बिटोल नामक शुगर पाया जाता है, जो आंतों में पानी खींचकर मल को नरम करती है। जिससे बच्चे को कब्ज में आराम मिलता है।

पानी की मात्रा बढ़ाएं

एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को अपनी डाइट में पानी की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे मल त्यागने में भी आसानी होती है। जब बच्चे पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं, तो इससे कब्ज को रोकने में मदद मिलती है।

बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

जब बच्चे की डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाई जाती है तो इससे बच्चे को स्टूल पास करने में आसानी होती है। कोशिश करें कि आप बच्चे की डाइट में फल व सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। ऐसे फल व सब्जी का सेवन करें, जिनमें पानी व फाइबर भरपूर हो।

डेयरी को करें कम

अगर बच्चा इन दिनों कब्ज से जूझ रहा है तो उसकी डाइट में डेयरी की मात्रा थोड़ी कम कर दें। अत्यधिक डेयरी का सेवन विशेषकर दूध कब्ज पैदा कर सकता है। कई बच्चों में गाय के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन के प्रति सेंसेटिविटी होती है। इसके अलावा, अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे पनीर या चीज भी कब्ज पैदा कर सकते हैं।

पर्याप्त नींद नहीं होने से दिमाग होता है प्रभावित

व्यस्त आधुनिक जीवन में आजकल किसी के पास समय नहीं है। ऐसे में लाग पर्याप्त नींद तक नहीं ले पाते। इससे उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम 7 घंटे की नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता है और हम दिनभर थकान का अनुभव करते हैं। इससे याद रखने की क्षमता भी कम होती है। ऐसे में समय के साथ-साथ दिमाग की काम करने की क्षमता कम हो जाती है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा भी कई अन्य कारणों से दिमाग प्रभावित होता है। ज्यादातर अकेले रहने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इससे आगे चलकर अल्जाइमर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

जंक फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो दिमाग के न्यूरॉन रिसेप्टर्स को नुकसान पहुंचाता है। ज्यादा मात्रा में जंक फूड खाने पर कंफ्यूजन, सिरदर्द और वॉमटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लगातार कई घंटों तक हेडफोन या इयरफोन लगाकर तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिश्यूज पर बुरा असर पड़ता है। इससे अल्जाइमर की समस्या भी हो सकती है। हर दिन कोई भी फिजिकल ऐक्टिविटी न करने से डायबीटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इनका दिमाग पर बुरा असर होता है। स्मोकिंग के दौरान हमारे शरीर में कई हार्मफुल केमिकल्स आ जाते हैं। ये खून को गाढ़ा कर देते हैं, जिससे दिमाग तक खून की सप्लाई कम हो जाती है। भूख से अधिक खाने का संबंध भी दिमाग से ही है। ज्यादा खाने से दिमाग के सोचने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। वहीं प्राकृतिक रौशनी में न रहने और ज्यादातर समय अंधेरे में रहने के कारण अवसाद बढ़ जाता है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।

सिरदर्द की समस्या से हो गए हैं परेशान तो यह हो सकती है वजह

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में सिरदर्द होना एक आम समस्या हो गई है। हालांकि सिरदर्द के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें तनाव, गैस, गलत खान-पान, सर्दी-जुकाम और थकान वगैरह भी सिरदर्द की वजह हो सकती है। सिरदर्द के पीछे का एक कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। अक्सर सिर दर्द होने पर हम पेन किलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं।

ऐसे में अगर आपको भी अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है, तो इसके पीछे का कारण जानना बेहद जरूरी होता है। साथ ही सिरदर्द को दूर करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिरदर्द होने के कारण और इससे बचने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए सिरदर्द के पीछे का कारण

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जब शरीर में सोडियम की कमी होती है, तो सिरदर्द हो सकता है। वहीं अगर आप अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं, तो आपको सोडियम लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। क्योंकि शरीर में सोडियम की कमी होने पर थकान, भूख में कमी और चिड़चिड़ापन के लक्षण नजर आ सकते हैं। बता दें कि लंबे समय तक शरीर में सोडियम की कमी होने पर हमारे शरीर के कई फंक्शन्स पर भी असर पड़ता है। यहां तक की कई बार सोडियम की कमी से व्यक्ति बेहोश तक हो जाता है। सोडियम की कमी होने पर लोगों के सिर में दर्द बना रहता है।

ऐसे दूर करें सोडियम की कमी

व्यक्ति के शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर सोडियम लेवल में कमी आ सकती है। ज्यादा पसीना या ज्यादा यूरिन आने के कारण भी ऐसा हो सकता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में सोडियम की मात्रा कम लेते हैं, तो खाने में नमक की मात्रा का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके साथ ही शरीर में पानी की सही मात्रा का होना भी काफी जरूरी होता है। क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। डिहाइड्रेशन से भी शरीर में सोडियम की कमी हो सकती है।

ऐसे में अगर आपको अक्सर सिरदर्द रहता है, तो हो सकता है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी ना पी रहे हों। वहीं उल्टी व दस्त की समस्या होने पर भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखने के लिए आप नमक की सही मात्रा का सेवन करें।

ज्वॉइंट पेन से हो चुके हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खा

आमतौर पर जोड़ों के दर्द को बुढ़ापे से जोड़कर देखा जाता था। आपने भी बुजुर्ग लोगों को कई बार कहते हुए सुना होगा कि उम्र बढ़ने के साथ ही उन्हें जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। लेकिन वर्तमान समय में गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कम उम्र में ही जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। मुश्किल से 30 की उम्र पार करने के बाद से ही लोगों को जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है।

जोड़ों के दर्द होने के पीछे फ्लूड और कोलेजन का कम होना है। हालांकि अपनी डाइट में बदलाव कर ज्वॉइंट पेन की समस्या से राहत पाई जा सकती है। साथ ही इसके लिए एक्सरसाइज भी जरूरी मानी जाती है। ऐसे में अगर आप ज्वॉइंट के दर्द से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास मिक्चर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द को दूर करने में मदद मिल सकती है।

जोड़ों के दर्द को दूर करने वाले मिक्चर की सामग्री

बादाम- 1/2 कटोरी
मखाना- 1/2 कटोरी
भुने हुए चने- 1/2 कटोरी
सौंठ- 1/2 टीस्पून
अजवाइन- 1 टीस्पून
दालचीनी- 1/2 टीस्पून
सूखा हुए खजूर- 5
मिश्री- 1/4 कटोरी

ऐसे बनाकर करें तैयार

इन सभी चीजों के ग्राइंडर कर महीन पाउडर बना लें।
फिर 1 चम्मच पाउडर को 1 गिलास पानी में मिलाएं।
इसके बाद रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन करें।

जोड़ों के दर्द से निजात पाने का घरेलू नुस्खा

मखाना शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही आस्टियो आर्थराइटिस के लक्षणों को भी कम करता है।

बादाम में कैल्शियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। यह ज्वॉइंट्स के इंफ्लेमेशन को मजबूत करने के साथ ज्वॉइंट के दर्द में राहत देता है।

भुने हुए चने में विटामिन-के पाया जाता है। यह शरीर को कैल्शियम प्रदान करने के साथ जोड़ों के दर्द में भी आराम देता है।

सूखे हुए खजूर में विटामिन सी और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसके सेवन से कोलेजन प्रोजक्शन बूस्ट होता है और ज्वॉइंट में लचीलापन आता है।

अजवाइन में विटामिन-के की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। यह मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और जोड़ों का दर्द और सूजन खत्म करता है।

दालचीनी में सिनेमिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और इंफ्लेमेशन से राहत मिलती है।

मिश्री डाइजेस्टिव जूस को रिलीज करने में सहायक होती है। इससे गैस की समस्या नहीं होती और पाचन में सुधार होता है।

सौंठ में एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाया जाता है, यह ज्वाइंट में होने वाली ऐंठन को कम करती है।

बुजुर्गों की हड्डियों को कमजोरी से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गों की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गों की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मैरो में फैट सेल्सर की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिंघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू-पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ-बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवा चूहों की तुलना में वृद्ध चूहों की बोन मैरो सेल्स में सीबीएफ-बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ-बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटिड ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है।शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रनवे पर एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान से टकराई चील, फ्लाइट हुई रद्द

विजयवाड़ा (एजेंसी)। गुरुवार 4 सितंबर को विजयवाड़ा से बेंगलुरु जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान उस समय रद्द करनी पड़ गई जबकि टेक ऑफ से ठीक पहले रनवे पर विमान के अगले हिस्से से एक चील टकरा गई। एयरलाइन अधिकारियों ने बताया कि यह घटना उड़ान भरने से पहले हुई, जिसके चलते यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लाइट रद्द कर दी गई। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने विमान के सभी यात्रियों के लिए तुरंत ही वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था की और असुविधा होने पर खेद जताया है। एयरलाइन ने कहा कि जमीनी परिचालन के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

पिछले दिनों भी सामने आई चुनौतियाँ

गौरतलब है कि गत 3 सितंबर को तिरुचिरापल्ली से उड़ान भरने वाले एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में तकनीकी खराबी आ गई थी। यात्रियों को दूसरी उड़ान से भेजा गया। इसी प्रकार 31 अगस्त को दिल्ली-इंदौर एअर इंडिया की उड़ान टेक ऑफ के बाद इंजन में आग लगने की आशंका पर वापस लौटा ली गई थी। पायलटों ने सतर्कता दिखाते हुए बिना आपातकालीन घोषणा किए विमान को सुरक्षित उतार लिया था। विशेषज्ञों की राय है कि पक्षियों से विमान का टकराना (बर्ड हिट) भारतीय हवाई अड्डों पर लगातार एक चुनौती बनी हुई है। विमानन प्राधिकरण और एयरलाइंस इसके समाधान के लिए निगरानी, हवाई अड्डे पर पक्षी नियंत्रण और टेकऑफ़-लैंडिंग के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा उपायों पर काम कर रहे हैं।

करमा पूजा के दौरान हुआ हादसा, 3 किशोरियों समेत 4 की मौत

नवादा (एजेंसी)। बिहार के नवादा जिले में करमा पूजा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। बुधवार को पकरीबरावां थाना क्षेत्र के दतरौला गांव में तालाब में स्नान करने गईं तीन किशोरियों और एक महिला की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया। मृतकों में पंचायत समिति सदस्य कृष्ण पासवान की बेटियां अनामिका कुमारी (12) और पूजा कुमारी (18), इसी परिवार के शंभु पासवान की पत्नी ज्योति देवी (28) और उनकी बेटी खुशबू कुमारी (11) शामिल हैं। इसके अलावा राजेंद्र पासवान की बेटी प्रियंका कुमारी को गंभीर हालत में नवादा रेफर किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) निशु मलिक ने मीडिया को बताया कि पूजा-अर्चना के लिए तालाब में स्नान करने के दौरान गहराई का अंदाजा न लग पाने से यह हादसा हुआ। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से सभी शवों को बाहर निकाला गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिला प्रशासन ने आवश्यक कानूनी व प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करने की बात कही है। उल्लेखनीय है कि बिहार, झारखंड और आसपास के राज्यों में करमा पूजा बड़े उत्साह और पारंपरिक आस्था के साथ मनाई जाती है, जिसे उर्वरता, समृद्धि और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक माना जाता है।

पटना में भीषण सड़क हादसा, 5 कारोबारियों की मौत

पटना (एजेंसी)। बीती रात बिहार के पटना में हुए एक भीषण सड़क हादसे में 5 कारोबारियों की मौत हो गई। यह घटना सिपारा-पुनपुन रोड पर परसा बाजार थाना इलाके में बुधवार देर रात हुई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात करीब एक बजे कार परसा बाजार थाना क्षेत्र के सुइया मोड़ फ्लाई ओवर से नीचे उतर रही थी, तभी कार अनियंत्रित होकर ट्रक के अंदर जा घुसी। इस संबंध में ट्रक के ड्राइवर को पता भी नहीं चला और वह कार को घसीटते हुए 25 मीटर तक दूर तक चला गया। इस हादसे में पांच कारोबारियों की मौत हो गई। मृतकों के नाम राजेश कुमार उम्र 50 साल निवासी गोपालपुर, संजय कुमार उम्र 38 साल, कमल किशोर उम्र 38 साल निवासी सिपारा, प्रकाश चौरसिया उम्र 35 साल और सुनील कुमार उम्र 30 साल निवासी मुजफ्फरपुर है। वहीं, सड़क हादसे के संबंध में पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद सदर डीएसपी रंजन कुमार और परसा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और गैस कटर से कार को काटकर सभी घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद उपचार के लिए सभी घायलों को पटना के पीएमसीएच भेजा गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बहरहाल पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

झारखंड में माओवादियों के साथ मुठभेड़ में दो पुलिस जवान शहीद, एक घायल

-मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने पलामू में तलाशी अभियान तेज कर दिया है

पलामू (एजेंसी)। झारखंड के पलामू जिले में माओवादियों के साथ मुठभेड़ में दो पुलिस जवान शहीद हो गए और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि मनातू पुलिस थाना क्षेत्र के केदल इलाके में बुधवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे सुरक्षाबलों और प्रतिबंधित तृतीया सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) के सदस्यों के बीच मुठभेड़ हुई। पलामू के डीआईजी नौशाद आलम ने बताया कि मुठभेड़ में दो सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई और एक जवान घायल हुअर है। घायल जवान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि केदल गांव में टीएसपीसी कमांडर शशिकांत गंझू और उसके दल की मौजूदगी की सूचना मिली थी सूचना के आधार पर अभियान चलाया। जैसे ही सुरक्षा दल मौके पर पहुंचा, टीएसपीसी सदस्यों ने उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। मुठभेड़ में तीन सुरक्षाकर्मी गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दो जवानों को मृत घोषित कर दिया और घायल जवान का इलाज किया जा रहा है। केदल गांव टीएसपीसी का गढ़ माना जाता रहा है, जहाँ शशिकांत गंझू पलामू और चतरा जिलों में संगठन की गतिविधियों का नेतृत्व करता रहा है।

उपराष्ट्रपति चुनाव: बीजेपी सक्रिय, 6 सितंबर को सभी सांसदों को दिल्ली बुलाया

-7 सितंबर को सुबह से देर शाम तक पार्टी कार्यशाला में शामिल होने के दिए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति चुनाव में अब कुछ दिन ही बचे हैं और बीजेपी ने अपने सभी सांसदों को पत्र जारी कर 6 सितंबर तक दिल्ली आने के निर्देश दिए हैं। उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान 9 सितंबर को होगा। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी पार्टी सांसदों को 6 सितंबर को अपने आवास पर रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया है। 7 सितंबर को सांसदों को सुबह 9 बजे से देर शाम तक आयोजित पार्टी कार्यशाला में शामिल होने का निर्देश दिया है।

यह कार्यशाला 8 सितंबर को संसद परिसर स्थित जीएमसी बालयोगी सभागार में दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगी। उसी शाम पीएम मोदी अपने आवास पर एनडीए के सभी सांसदों के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। 9 सितंबर को लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सदस्य भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान करेंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मंच तैयार है, जिसमें सत्तारूढ़ बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के सीपी राधाकृष्णन का मुकाबला इंडिया ब्लॉक के बी सुदर्शन रेड्डी से होना है। विपक्ष को सर्वसम्मति से उपराष्ट्रपति पद के लिए मनाने की सरकार की कोशिशें नाकाम रहीं हैं, क्योंकि इंडिया ब्लॉक ने सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है, जिन्हें भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रगतिशील न्यायविदों में से एक माना गया है। वर्तमान में संसद के दोनों सदनों को मिलाकर सदस्यों की संख्या 787 है। भारत के अगले उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होने के लिए किसी उम्मीदवार को कम से कम 394 मतों की जरुरत होगी।

मौजूदा स्थिति राधाकृष्णन के पक्ष में है, क्योंकि बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के पास 422 सांसद हैं, जिनमें मनोनीत सदस्य भी शामिल हैं, जो एनडीए उम्मीदवार का समर्थन कर सकते हैं। एनडीए के सांसदों की संख्या 542 सदस्यीय लोकसभा में 293 और राज्यसभा में 129 है, जहां सदन की प्रभावी संख्या वर्तमान में 245 है। विपक्ष के लिए ये चुनाव 2017 और 2022 के उपराष्ट्रपति चुनावों की तरह एक प्रतीकात्मक मुकाबला बने हुए हैं, क्योंकि उनके पास पर्याप्त संख्याबल नहीं है।

राजभर के घर एबीवीपी के हंगामे पर बोले अखिलेश यादव- यह भाजपा किसी की सगी नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। बाराबंकी लाठीचार्ज और मंत्री ओमप्रकाश राजभर के आवास पर हुए अखिल भारतीय विघार्थी परिषद (एबीवीपी) के प्रदर्शन को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बीजेपी अब अपने ही सहयोगियों और उनसे जुड़े संगठनों में झगड़े करवा रही है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल अपने राजनीतिक सहयोगियों को कमजोर करने और राजनीतिक रूप से खत्म करने की साजिश रच रहा है। उन्होंने कहा, कि बीजेपी की रणनीति है, पहले इस्तेमाल करो और फिर फेंक दो। इनके पैसों के लालच वाले सहयोगी समझ चुके हैं कि बीजेपी उनकी वित्तीय स्थिति तो सुधार सकती है, लेकिन उन्हें कभी सम्मान नहीं देगी। यह बयान उस वक्त आया जब एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने राजभर के 'गुंडा' कहने वाले बयान से नाराज होकर उनके लखनऊ स्थित आवास के बाहर प्रदर्शन किया। राजभर के बेटे अरुण राजभर ने वीडियो संदेश जारी कर पत्थरबाजी, अभद्र भाषा और तोड़फोड़ का आरोप लगाया। इसी के साथ सपा नेता अखिलेश यादव ने एक वीडियो भी साझा किया जिसमें पुलिसकर्मी प्रदर्शनकारियों को 'भाई' कहते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बड़े पुलिस अधिकारी भाजपा नेताओं के सामने सिर झुकाते हैं और सड़क पर कनिष्ठ पुलिसकर्मियों को मजबूर कर दिया जाता है कि वे 'भाई-भाई' कहकर प्रदर्शनकारियों से हाथ जोड़ें।

महाराष्ट्र में अजब गजब सियासत! संजय राउत ने की फडणवीस की तारीफ, शिंदे-पवार को घेरा

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने मराठा आरक्षण आंदोलन को सुलझाने और कार्यकर्ता मनोज जारंगे की भूख हड़ताल समाप्त करने का श्रेय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को दिया। संजय राउत द्वारा यह भाजपा नेता की एक दुर्लभ सराहना है। पत्रकारों से बात करते हुए, राउत ने कहा कि फडणवीस ने पर्दे के पीछे से काम किया और मराठा आरक्षण पर कैबिनेट उप-समिति के साथ विचार-विमर्श में शामिल रहे। राउत ने कहा कि अगर सरकार ने इस मुद्दे को सुलझाया है और जरांगे की जान बचाई है, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस इस मुद्दे को सुलझाने के लिए विचार-विमर्श में शामिल थे। वह पृष्ठभूमि में काम कर रहे थे। सारा श्रेय फडणवीस को जाना चाहिए। जारंगे और मराठा प्रदर्शनकारियों द्वारा मुख्यमंत्री की कड़ी आलोचना का जिक्र करते हुए राउत ने कहा, ÷मैं फडणवीस के धैर्य की भी सराहना करूंगा।÷ राउत भाजपा और फडणवीस के कटु आलोचक रहे हैं। हालाँकि, उन्होंने दावा किया कि जब जरांगे अपना अनशन शुरू करने मुंबई आए थे, तो भाजपा नेताओं ने अलग भाषा बोली थी। राउत ने दावा किया कि फडणवीस को छोड़कर भाजपा नेताओं ने ÷अत्यधिक नफ़रत फैलाने÷ की कोशिश की। शिवसेना (यूबीटी) ने मराठा आंदोलन को लेकर उप-मुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा। राउत ने कहा, ÷एकनाथ शिंदे और अजित पवार कहाँ थे? उन्होंने विचार-विमर्श में भाग क्यों नहीं लिया? क्या वे चाहते थे कि मामला बिगड़े और फडणवीस मुश्किल में पड़ें÷ वहीं, राउत ने महाराष्ट्र के हालिया मराठा आरक्षण निर्णय में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के साथ अनुचित व्यवहार का आरोप लगाते हुए कैबिनेट मंत्री और ओबीसी नेता छगन भुजबल से इस्तीफा देने का आग्रह किया है। राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को चुनौती देने के इरादे से मराठा आरक्षण आंदोलन की योजना बनाने का आरोप लगाया। अपने समुदाय के हितों की रक्षा की मांग करते हुए, भुजबल ने सरकार के रुख पर निराशा व्यक्त की। इस बीच, राज्य सरकार द्वारा मराठों को ओबीसी का दर्जा देने पर विचार करने की प्रतिबद्धता जताए जाने के बाद कार्यकर्ता मनोज जारंगे ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी, जिससे हाल के सरकारी प्रस्तावों के बाद कोटा कार्यान्वयन के माध्यम से संभावित लाभ का संकेत मिलता है।

देश के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

-पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में पुलिस हिरासत में हुई 11 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अखबार में छपी खबर के बाद स्वतः संज्ञान लेते हुए एक जनहित याचिका पर सुनवाई शुरू की, जिसमें देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी का मुद्दा उठाया गया। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि 2025 में पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। इस वजह से सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर संज्ञान लिया। इससे पहले, 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के सभी पुलिस थानों में नाइट विज़न और ऑडियो क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य किया था।

इस ऐतिहासिक फैसले में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को पुलिस परिसरों के सभी अहम बिंदुओं, जिनमें लॉक-अप और पूछताछ कक्ष शामिल हैं पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि फुटेज को कम से कम 18 महीने तक सुरक्षित रखा जाए और हिरासत में यातना या मौत से संबंधित जांच के दौरान उसे सुलभ बनाया जाए।

कोर्ट के निर्देशों के बावजूद कई पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे हैं या फुटेज गायब हैं, जिससे जांच और जवाबदेही में बाधा आती है। पुलिस एजेंसियों ने हिरासत में दुर्व्यवहार से जुड़े मामलों में अक्सर तकनीकी समस्याओं या फुटेज की अनुपलब्धता को बाधा के रूप में पेश किया है। सुप्रीम कोर्ट के स्वतः संज्ञान कार्रवाई अनुपालन और प्रवर्तन में जारी कमियों को रेखांकित करती है।

कोर्ट ने सीसीटीवी की खरीद, स्थापना और रखरखाव करने के लिए राज्य और केंद्रीय निगरानी समितियों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। कोर्ट ने निर्देश दिया कि गंभीर चोटों या हिरासत में मौतों से जुड़े मामलों में, पीड़ित या उनके परिवार मानवाधिकार आयोगों या अदालतों से संपर्क कर सकते हैं, जिनके पास जांच और साक्ष्य संरक्षण के लिए सीसीटीवी फुटेज मांगने का अधिकार है।

पूर्व वित्त मंत्री का तंज बोले- जीएसटी में बदलाव ट्रंप के टैरिफ का डर या बिहार चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी) राज्यसभा सांसद एवं पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने अपने पोस्ट में लिखा है, जीएसटी को तर्कसंगत बनाना और कई वस्तुओं व सेवाओं पर दरों में कमी स्वागत योग्य कदम है, लेकिन इसमें 8 साल की देरी हो चुकी है। जीएसटी का वर्तमान स्वरूप और दरें क्या शुरू में ही लागू नहीं हो होनी चाहिए थीं। हम पिछले 8 सालों से जीएसटी के स्वरूप और दरों के खिलाफ लगातार आवाज़ उठा रहे हैं, लेकिन हमारी अपील अनसुनी हो गई। कांग्रेस के वरिष्ठ चिदंबरम ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती का स्वागत किया है लेकिन इसके साथ ही उसकी टाइमिंग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए सवाल उठाया कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने में सरकार को 8 साल क्यों लग गए? सोशल मीडिया एक्स पर लिखे एक पोस्ट में उन्होंने पूछा है कि क्या जीएसटी की जो नई दें अब लागू की गई हैं। वे शुरू से ही नहीं लागू किया जाना चाहिए था?

सरकार के अचानक इस कदम के पीछे क्या कारण रहे होंगे। इस का अनुमान लगाते हुए चिदंबरम ने आगे लिखा है, ऐसे में यह जानना दिलचस्प होगा कि सरकार ने ये बदलाव अब क्यों किए...धीमी विकास दर? बढ़ता घरेलू कर्ज? घटती घरेलू बचत? बिहार में चुनाव? या ट्रम्प और उनके टैरिफ? या ये सब? उन्होंने कहा कि विपक्ष 2017 में जीएसटी की शुरुआत से ही इनके खिलाफ चेतावनी दे रहा था। बता दें कि एक दिन पहले ही केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में 56वीं जीएसटी परिषद ने चार स्लैब वाली टैक्स प्रणाली को बदलते हुए अब 5 और 18 फीसदी जीएसटी की दो दरें तय की हैं। नई दरें 22 सितंबर, यानी नवरात्रि के पहले दिन से लागू होंगी। इन बदलावों से छोटी कारें, बाइक और कई अन्य उपभोक्ता वस्तुएँ सस्ती हो जाएँगी। साबुन, शैम्पू, टूथपेस्ट, टैल्कम पाउडर और हेयर ऑयल जैसी रोज़मर्रा की वस्तुओं पर भी अब 18 फीसदी की बजाय 5 फीसदी जीएसटी लगेगा। इससे ये सामान भी सस्ते हो जाएंगे। इनके अलावा साइकिल, बर्तन, दूध की बोतलें और बाँस के फर्नीचर जैसी वस्तुओं को भी अब 5 फीसदी के टैक्स स्लैब में ला दिया गया है। इसके अलावा कुछ वस्तुओं पर शून्य कर और कुछ पर 40 प्रतिशत कर भी होंगे। नयी व्यवस्था में अल्ट्रा हाई टेंपरेचर दूध, छेना, पनीर, चपाती रोटी पराठा आदि पर कोई कर नहीं लगेगा। सभी देशी रोटियों (चपाती, पराठा, रोटी आदि) पर जीएसटी दर शून्य होगी। तैंतीस जीवनरक्षक दवाओं और औषधियों पर भी जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है। कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और अन्य गंभीर दीर्घकालिक रोगों के उपचार में प्रयुक्त तीन जीवनरक्षक दवाओं और औषधियों पर जीएसटी पांच प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है। अन्य दवाओं पर पांच प्रतिशत कर लगेगा। व्यक्तिगत जीवन बीमा और व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा पर भी कोई कर नहीं होगा।

मुरली मनोहर जोशी ने कहा- आमदनी में असमानता घातक, केवल आर्थिक विकास को लक्ष्य मानना ठीक नहीं

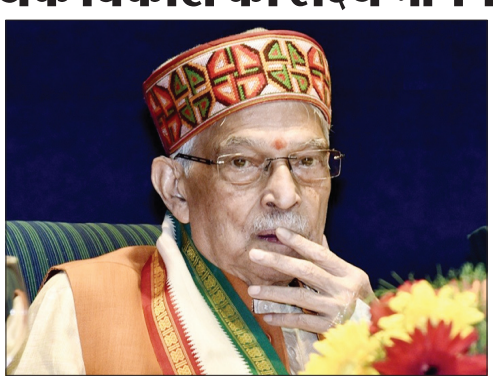

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा नई दिल्ली में संघ की शताब्दी वर्षगांठ पर आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यानमाला से ठीक एक हफ्ते पहले संघ के आर्थिक क्षेत्र में काम करने वाले छह संगठनों के करीब 80 प्रतिनिधियों की बंद कमरे में विशेष बैठक हुई। इसमें वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी मुख्य वक्ता रहे। जोशी ने इस दौरान करीब 70 स्लाइड्स दिखाईं और कहा कि केवल आर्थिक विकास को ही राष्ट्रीय लक्ष्य मानना उचित नहीं है। उन्होंने आय में असमानता, भारत की कम प्रति व्यक्ति जीडीपी और सामाजिक संकटों का उल्लेख करते हुए डिग्रोथ की अवधारणा पेश की। इसका अर्थ है कि विकास की दौड़ से बाहर निकलकर सादगी, साझेदारी और स्थानीय संसाधनों के संरक्षण पर जोर देना।

आय असमानता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2021 में भारत की कुल घरेलू संपत्ति का 65 प्रतिशत केवल शीर्ष 10 प्रतिशत लोगों के पास था। भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी मात्र 2,878 डॉलर थी, जबकि जापान की 33,955 डॉलर थी। कृषि व स्वदेशी उद्योगों पर फोकस करने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि विदेशी सहयोग पर अधिक निर्भरता भारत के हित में नहीं है। मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि 1.58 करोड़ बच्चे नशे के शिकार हो चुके हैं। दिल्ली की झुग्गियों में रहने वाले करीब एक-तिहाई बच्चे नशे और शराब में फंस चुके हैं। उन्होंने आत्महत्या की बढ़ती दर पर भी चिंता जताई। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आत्महत्या करने वालों की संख्या 2018 में 1.34 लाख से बढ़कर 2022 में 1.70 लाख तक पहुंच चुके हैं। 2019-21 के बीच 35,950 छात्रों ने जान दी है।अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मानव संसाधन विकास मंत्री रहे मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि उच्च शिक्षा में सकल नामांकन दर केवल 32.7 प्रतिशत, जबकि जापान में 64.6 प्रतिशत और पोलैंड में 75.3 प्रतिशत है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की 43.5 प्रतिशत आबादी अब भी कृषि पर निर्भर, जबकि जापान में यह मात्र 3 प्रतिशत है।

होसबाले ने कहा- बैठक का मकसद सरकार की आलोचना नहीं

मुरली मनोहर जोशी ने चेतावनी दी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सामाजिक असमानताओं को और गहरा कर सकता है। उन्होंने हालिया प्राकृतिक आपदाओं और हिमालयी सड़कों के चौड़ीकरण को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि भारत क्लाइमेट इमरजेंसी की ओर बढ़ रहा है। मोहन भागवत ने मुरली मनोहर जोशी की इस प्रस्तुति पर कहा, जोशी जी ने सब कुछ कह दिया है। संगठन के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने हालांकि स्पष्ट किया कि बैठक का उद्देश्य सरकार की नीतियों की आलोचना करना नहीं, बल्कि सिद्धांत और व्यावहारिक कदमों को जोड़कर भविष्य की कार्ययोजना बनाना है। इस बैठक में भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ, सहकार भारती, ग्राहक पंचायत, स्वदेशी जागरण मंच और लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधि शामिल हुए।

हिमाचल सरकार आपदा के समय जनता को राहत पहुंचाने में विफल: अनुराग

हमीरपुर (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने प्रदेश की सुक्खू सरकार पर हमला बोला है। हमीरपुर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हिमाचल सरकार आपदा के समय जनता को राहत पहुंचाने में विफल साबित हुई है। अनुराग ने आरोप लगाया कि आपदा की घड़ी में सरकार लोगों को एक तिरपाल तक उपलब्ध नहीं करा पाई है। उन्होंने कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार ने आपदा के समय हिमाचल प्रदेश को कांग्रेस की यूपीए सरकार से कई गुना ज्यादा आर्थिक मदद दी है।

उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने बीते 10 सालों में हिमाचल को एसडीआरएफ में तीन गुना और एनडीआरएफ में दस गुना ज्यादा धनराशि मुहैया कराई। इसके बावजूद प्रदेश सरकार जनता को बुनियादी सुविधाएं देने में असफल रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि 2023 में आई विनाशकारी आपदा से प्रदेश सरकार ने क्या सबक लिया? उन्होंने कहा कि हालात यह हैं कि लोगों को आज नालियां खुलवाने तक के लिए अपनी जेब से पैसा खर्च करना पड़ रहा है। कई ठेकेदारों के पुराने बिल का आज तक भुगतान नहीं हुआ। सरकार भरोसा खो चुकी है। राज्य सरकार अपने नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं देने में भी सक्षम नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अब न तो जनता का विश्वास जीत पा रही है और न ही स्थानीय ठेकेदारों का भरोसा। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह एक श्वेत पत्र जारी कर स्पष्ट करे कि आपदा राहत के लिए मिले पैसों का इस्तेमाल कहां किया गया। इससे पहले, अनुराग ने बुधवार को एक्स पोस्ट में लिखा था-विगत कुछ दिनों से हिमाचल प्रदेश भारी बारिश व बादल फटने की घटना से प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहा है। प्रदेश के कई जिलों में इस आपदा के चलते सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है जिससे प्रदेश को हजारों करोड़ का नुकसान व जान-माल की हानि हुई है। आपदा का यह रूप अत्यंत हृदयविदारक है और बनी बनाई व्यवस्था व मकानों-इमारतों को जमींदोज होते देखना अत्यंत कष्ट दाई है। नुकसान सरकार व जनता दोनों का हुआ है। हमारा प्रयास है कि लोगों की जान, घर व उनके सामान सुरक्षित रहें।

कांग्रेस नेता थरूर ने की अमेरिका की आलोचना- लिखा यूएस के लोग पूछेंगे भारत को किसने खोया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ट्रंप की नई वैश्विक कूटनीति को लेकर अमेरिका पर निशाना साधा है। उन्होंने अंग्रेजी अखबार में लेख लिखकर कहा है कि आने वाले समय में अमेरिका में सवाल पूछा जाएगा- भारत को किसने खोया? शशि थरूर लिखते हैं- 1949 में चीन पर माओत्से तुंग की कम्युनिस्ट जीत के बाद अमेरिका में ÷हू लॉस्ट चाइना?÷ बहस छिड़ी थी। आज वही सवाल कुछ सालों बाद भारत के संदर्भ में उठ सकता है।अगर नई दिल्ली रूस-चीन के करीब और अमेरिका से दूर होती नजर आई तो क्या वॉशिंगटन में पूछा जाएगा - हू लॉस्ट इंडिया?

ट्रंप प्रशासन की कठोर टैरिफ नीतियों और सख्त बयानबाजी ने भारत-अमेरिका साझेदारी की नींव को हिला दिया है। अब भारत अमेरिकी बाजार में सबसे ज्यादा शुल्क झेल रहा है। भारत पर जहां 50 प्रतिशत शुल्क लगाए गए हैं, वहीं चीन पर 30प्रतिशत और अन्य देशों पर सिर्फ 15-20प्रतिशत। इसके चलते भारत अपने व्यापारिक रिश्ते मजबूत करने के लिए रूस और चीन की ओर झुक रहा है। शशि थरूर के मुताबिक, अगस्त 26-27 की रात से अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर दोहरी मार डाली, जिससे 48 अरब डॉलर से अधिक के निर्यात प्रभावित हुए। इनमे वस्त्र, रत्न-आभूषण, चमड़ा, समुद्री उत्पाद (विशेषकर झींगा) और ऑटो पार्ट्स प्रमुख हैं। हालांकि, फिलहाल दवाइयां और इलेक्ट्रॉनिक्स इससे बाहर रखे गए हैं। उन्होंने कहा, इसके कारण सूरत में 1.5 लाख से अधिक आभूषण कर्मियों की नौकरी गई। तिरुपुर के परिधान उद्योग और विशाखापट्टनम के झींगा निर्यातक गहरे संकट में हैं। अमेरिकी खरीदार वियतनाम, इक्वाडोर, थाईलैंड और तुर्की की ओर रुख कर रहे हैं। भारतीय निवेश माहौल और रोजगार पर गंभीर दबाव बढ़ रहा है।

अमेरिकी टैरिफ सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक संकेत भी हैं। भारत में इसे रणनीतिक स्वायत्तता को दंडित करने के रूप में देखा जा रहा है। इससे क्वाड की एकजुटता कमजोर होगी, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा डगमगाएगी और भारत को रूस-चीन की ओर और अधिक धकेला जा सकता है। शशि थरूर के मताबिक, रिश्तों को बचाने के लिए अमेरिका को चाहिए कि दंडात्मक शुल्क हटाए, खासकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों से तो जरूर हटाए। फ्री ट्रेड वार्ता तेज करे और भारत को वैकल्पिक बाजार मुहैया कराए। उच्चस्तरीय संवाद बहाल करे। ट्रंप और मोदी की सीधी बातचीत रिश्तों की ठंडक पिघला सकती है। शशि थरूर आगे लिखते हैं- विडंबना यह है कि रक्षा सहयोग मजबूत बना हुआ है। फरवरी 2025 में शुरू हुई यूएस-इंडिया कॉम्पेक्ट पहल के तहत संयुक्त सैन्य अभ्यास, हथियारों का सह-उत्पादन और नई रक्षा साझेदारी रूपरेखा पर काम चल रहा है। भारत अमेरिकी स्ट्राइकर लड़ाकू वाहन और जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल खरीदने की बातचीत में भी है। मगर भारी शुल्क इस भरोसे को कमजोर कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

लीमा में इंडोनेशियाई राजदूत की हत्या की जांच तेज

लीमा, एजेंसी। पेरू के अधिकारियों ने इंडोनेशियाई राजनयिक की गोली मारकर हत्या की जांच शुरू कर दी है। पेरू की राजधानी लीमा स्थित इंडोनेशियाई दूतावास में कार्यरत 40 वर्षीय जेट्रो लियोनार्डो पुर्बा को सोमवार रात तीन गोलियां मारी गईं, जब वह साइकिल से अपने अपार्टमेंट की इमारत की ओर जा रहे थे। उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारियों ने गोलीबारी का कारण तुरंत नहीं बताया। गृह मंत्री कार्लोस मालावर ने सांसदों को बताया कि यह सुनियोजित हत्या थी। पुलिस ने दो सीसीटीवी फुटेज जारी की है जिसमें हेलमेट पहने एक व्यक्ति राजनयिक पर दो बार गोली चलाता हुआ दिखाई दे रहा है, जिसके बाद राजनयिक जमीन पर गिर जाते हैं। तस्वीरों में संदिग्ध व्यक्ति राजनयिक पर तीसरी बार गोली चलाता हुआ और एक अन्य व्यक्ति द्वारा चलाई जा रही मोटरसाइकिल पर भागता हुआ दिखाई दे रहा है पेरू के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस हत्या की गहन जांच की जाएगी और इंडोनेशिया के राजदूत और दूतावास के कर्मचारियों को सभी आवश्यक सहायता और सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

फील्ड मार्शल बनने के बाद पहली बार शी से मिले असीम मुनीर

बीजिंग, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर फील्ड मार्शल बनने के बाद पीएम शहबाज शरीफ के साथ मंगलवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पहली मिले। इस दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग पर चर्चा की। वह शरीफ प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं, जिसने एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लिया। वह बुधवार को जापानी हमले के विरुद्ध चीनी जन युद्ध की 80वीं वर्षगांठ पर चीनी सेना की परेड में शामिल होंगे।

अमेरिका की व्योमिंग पहाड़ियों में विमान दुर्घटनाग्रस्त, लड़की की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की उत्तरी व्योमिंग के पहाड़ों में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 13 वर्षीय एक लड़की की मौत हो गई। उसके तीन रिश्तेदार घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि एक चिकित्सा सेवा हेलीकॉप्टर ने विमान का मलबा देखा। दुर्घटना सोमवार दोपहर बाद बिग माउंटेन क्षेत्र में हुई। मेडिकल हेलीकॉप्टर ने गिरे हुए विमान को देखा। शेरिडन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि बचाव दल ने पास के राजमार्ग यूएस 14 के पास एक पार्किंग स्थल पर एक कमांड पोस्ट स्थापित किया। घटनास्थल पर पहुंचे बचावकर्मियों ने लड़की को मृत पाया। उसके तीन रिश्तेदारों 11 वर्षीय लड़का, 53 वर्षीय महिला और 54 वर्षीय पुरुष को गंभीर रूप से घायल पाया।

न्यूयॉर्क मेयर पद के उम्मीदवार जिम वाल्डेन ने नामांकन वापस लिया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद के लिए स्वतंत्र उम्मीदवार जिम वाल्डेन ने घोषणा की कि वह अपना अभियान स्थगित कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने अपने साथी उम्मीदवारों से डेमोक्रेटिक प्राइमरी विजेता ज़ोहरान ममदानी के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया। वाल्डेन ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि जो लोग महीने के अंत तक भी चुनावों में पीछे रह गए हैं, उनसे मैं अनुरोध करता हूं कि वे इस बात पर विचार करें कि यदि वे ममदानी को अहंकार या जिद्दी महत्वाकांक्षा के बल पर सत्ता में आने देंगे तो इतिहास उनका क्या मूल्यांकन करेगा। वाल्डेन एक वकील हैं, जिन्होंने रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर और मिश्रित मार्शल आर्ट फाइटर कोनोर मैकग्रेगर का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने खुद को न्यूयॉर्क शहर के पूर्व मेयर माइकल ब्लूमबर्ग की तरह एक मुक्त बाजार टेक्नोक्रेट के रूप में स्थापित किया था।

ट्रम्प बोले- भारत का अमेरिका से एकतरफा रिश्ता: उन्होंने 100प्रतिशत टैरिफ लगाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत पर 50प्रतिशत टैरिफ इसलिए लगाया है, क्योंकि लंबे समय तक दोनों देशों के बीच 'एकतरफा रिश्ता' था। एक प्रेस ब्रीफिंग में ट्रम्प ने कहा कि भारत, अमेरिकी सामानों पर 100प्रतिशत टैरिफ लगाता है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा है। इसकी वजह से अमेरिका और भारत के व्यापार में असंतुलन पैदा हो गया है।

ट्रम्प ने उदाहरण देते हुए बताया कि अमेरिकी कंपनी हार्ले डेविडसन भारत में मोटरसाइकिल नहीं बेच पा रही थी, क्योंकि भारत ने 200प्रतिशत टैरिफ लगाया हुआ था। इस वजह से कंपनी ने भारत में ही एक प्लांट बनाया, जिससे अब उसे टैरिफ नहीं देना पड़ता।

ट्रम्प बोले- टैरिफ जंग सुलझाने वाला हथियार

ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका द्वारा भारतीय आयातों पर 50प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद आर्थिक तनाव बढ़ा है और इसके साथ ही रूस से कच्चा तेल

खरीदने पर भारत को 25प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ झेलना पड़ रहा है।

ट्रम्प ने फिर से अपनी टैरिफ नीति का बचाव करते हुए इसे 'जंग सुलझाने वाला हथियार' बताया। उन्होंने कहा कि इस नीति की वजह से अमेरिका को 'बातचीत की बेहतरीन ताकत' मिलती है। ट्रम्प ने टैरिफ को बातचीत के लिए एक जादुई हथियार कहा और दावा किया इसके जरिए उन्होंने 7 जंग रोकी हैं।

ट्रम्प ने बाइडेन प्रशासन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया की रीढ़ है और उनके पहले चार सालों में उन्होंने इसे बेहद मजबूत बनाया था, लेकिन बाइडेन प्रशासन ने इसे कमजोर कर दिया, लेकिन अब उनकी टैरिफ नीति से अमेरिका आर्थिक रूप से सबसे ताकतवर बन गया है।

ट्रम्प बोले- अमेरिका में कारखाने लगा रहीं विदेशी कंपनियां

ट्रम्प ने दावा किया कि ज्यादा टैरिफ की वजह से कई कंपनियां अमेरिका के बाहर उत्पादन करती हैं। लेकिन उनकी नीतियों की वजह से हालात बदल रहे हैं और अब हजारों कंपनियां अमेरिका में आ रही हैं। उन्होंने कहा कि कई कार कंपनियां चीन, मेक्सिको और कनाडा से आकर अमेरिका में फैक्ट्री बना रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके पीछे 3 बड़ी वजहें हैं। कंपनियां अमेरिका में रहना चाहती हैं, टैरिफ उन्हें सुरक्षा देते हैं और यहां निर्माण करने से उन्हें एक्स्ट्रा टैक्स नहीं देना पड़ता। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अमेरिका के लिए फायदेमंद है और यही वजह है कि उन्होंने भारत पर कड़ा टैरिफ लगाया।

ट्रम्प का दावा- भारत 0 प्रतिशत टैरिफ करने को तैयार

ट्रम्प ने यह भी साफ कर दिया कि वे भारत पर लगाए गए टैरिफ कम करने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते बहुत अच्छे हैं। ट्रम्प ने पहले भारत के निर्यात पर 25प्रतिशत शुल्क लगाया था, लेकिन इसे बढ़ाकर 50प्रतिशत कर दिया गया। इसका असर अमेरिका को भेजे जाने वाले भारत के 55प्रतिशत से ज्यादा सामान पर पड़ा। सोमवार को सोशल मीडिया पर ट्रम्प ने लिखा था कि भारत ने अपने टैरिफ घटाने की पेशकश की है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि यह कब हुआ और क्या अमेरिका भारत के साथ व्यापार वार्ता फिर से शुरू करेगा। उन्होंने बस इतना कहा, अब देर हो चुकी है। उन्हें यह सालों पहले करना चाहिए था।

हम किसी धमकी से नहीं डरते, चीन के उदय को कोई नहीं रोक सकता: शी जिनपिंग

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप को सीधा संदेश देते हुए कहा कि चीन कभी किसी दबाव में नहीं आता और न ही किसी से डरता है। चीन का उदय अब कोई नहीं रोक सकता। यह बयान उन्होंने बीजिंग में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ मंच साझा करते हुए दिया।

तियानानमेन स्क्वायर में 50,000 से ज्यादा लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए शी ने चेतावनी दी, आज दुनिया शांति या युद्ध, बातचीत या टकराव और साझा जीत या जीरो-सम गेम के बीच चुनाव के मोड़ पर खड़ी है। जीरो-सम गेम का मतलब- एक पक्ष को जितना फायदा होता है, दूसरे पक्ष को उतना ही नुकसान होता है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन के लोग इतिहास के सही पक्ष में मजबूती से

खड़े हैं।

लिमोजीन (खुले टॉप वाली कार) में सवार होकर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के नेता जिनपिंग ने सैन्य टुकड़ियों और मिसाइल, टैंक और ड्रोन जैसे आधुनिक हथियारों का निरीक्षण किया। आसमान में हेलिकॉप्टर्स ने बैनर लहराए और लड़ाकू विमानों ने शानदार उड़ानें भरीं।

सैन्य परेड में कई विदेशी नेता हुए शामिल : करीब सत्तर मिनट तक चले इस प्रदर्शन का समापन 80 हजार सफेद कबूतरों और रंग-बिरंगे गुब्बारों की उड़ान के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में दो दर्जन से अधिक विदेशी नेता शामिल हुए, जो अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के बीच चीन से करीबी संबंध बनाना चाहते हैं।

इस समारोह में सबसे ज्यादा नजर पुतिन, किम जोंग उन और ईरान के राष्ट्रपति पर थी। समारोह की शुरुआत में शी जिनपिंग के साथ पुतिन और किम दोनों की मौजूदगी ने अमेरिका के नेतृत्व वाली विश्व व्यवस्था को सीधी चुनौती देने का संकेत दिया। सैन्य परेड में दस हजार से अधिक सैनिक और सैकड़ों आधुनिक हथियार शामिल थे, जिसके जरिए शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत और आधुनिकीकरण अभियान को दिखाया गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या कहा : इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर निशाना साधते हुए शी जिनपिंग, पुतिन और किम पर अमेरिका के खिलाफ साजिश करने का आरोप लगाया।ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने चीन की आजादी के लिए जो खून-पसीना बहाया, उसे शी जिनपिंग कभी याद करेंगे या नहीं? कई अमेरिकियों ने चीन की जीत और गौरव के लिए अपनी जान दी थी। उन्होंने आगे लिखा, उम्मीद है कि उन्हें सही सम्मान मिलेगा और उनकी बहादुरी को याद किया जाएगा। शी और चीन की जनता को

ऐसे लोगों पर नहीं लागू कर सकते कानून, एलियन एनिमीज एक्ट 1798 के इस्तेमाल पर ट्रंप को संघीय अदालत से झटका

वाशिंगटन, एजेंसी। एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को करारा झटका दिया है। एलियन एनमीज एक्ट, 1798 के इस्तेमाल के मामले में संघीय अपील अदालत ने मंगलवार को फैसला सुनाया। इसमें अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून एलियन एनमीज एक्ट, 1798 का इस्तेमाल उन लोगों को तेजी से निर्वासित करने के लिए नहीं कर सकते जिन्हें उनकी सरकार वेनेजुएला के आपराधिक गिरोह का सदस्य बताती है।

अमेरिका की 5वीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने 2-1 के फैसले में निचली अदालतों और आप्रवासी अधिकार कार्यकर्ताओं की दलील से सहमति जताई। अदालत ने कहा कि यह कानून केवल युद्धकाल में दुश्मन देशों के नागरिकों के खिलाफ लागू करने के लिए बना था, न कि आपराधिक संगठनों जैसे ट्रेन डे

अरागुआ के खिलाफ इस्तेमाल के लिए। बता दें कि ट्रेन डे अरागुआ के खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने मार्च में कार्रवाई शुरू की थी। ट्रंप प्रशासन ने ट्रेन डे अरागुआ से जुड़े लोगों को निर्वासित कर अल सल्वाडोर की कुख्यात जेल में भेज दिया था और दलील दी थी कि अमेरिकी अदालतें उन्हें वहां से रिहा करने का आदेश नहीं दे सकतीं। अदालत का यह फैसला तब आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ समेत अपने कई फैसलों को लेकर आलोचनाएं झेल रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की आव्रजन नीति के लिए यह फैसला बड़ा झटका माना जा रहा है।

इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष विराम के लिए आगे आए फ्रांस और सऊदी अरब

पेरिस, एजेंसी। इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष विराम के लिए फ्रांस और सऊदी अरब आगे आए हैं। दोनों देश 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में इस्राइल-फलस्तीनी संघर्ष के द्वि-राज्य समाधान पर एक हाई-प्रोफाइल सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन उद्देश्य क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाना है। वहीं फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका से फलस्तीन अधिकारियों को वीजा देने से इनकार करने के फैसले को वापस लेने की मांग की।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मैंने अभी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से बात की है। हम दोनों मिलकर 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में द्वि-राज्य समाधान पर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि फलस्तीनी अधिकारियों को वीजा न देने का अमेरिकी फैसला अस्वीकार्य है। हम इस फैसले को वापस लेने और अमेरिका के समझौते के अनुसार फलस्तीनी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग करते हैं। हमारा उद्देश्य स्पष्ट है। द्वि-राज्य समाधान के लिए व्यापकतम अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाना।

मैक्रों ने सम्मेलन की प्रमुख प्राथमिकताएं भी बताईं। उन्होंने कहा कि इसमें स्थायी युद्धविराम

लागू करना, सभी बंधकों की रिहाई, गाजा में बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाना और गाजा पट्टी में एक स्थिरीकरण मिशन की तैनाती शामिल है। उन्होंने शांति सुनिश्चित करने के लिए दीर्घकालिक उपायों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसमें हमास को निरस्त्र करना और उसे गाजा के शासन से बाहर करना, फलस्तीनी प्राधिकरण में सुधार और उसे मजबूत करना और गाजा पट्टी का पूर्ण पुनर्निर्माण शामिल है।

मैक्रों ने आगे कहा कि इसके लिए एक स्थायी युद्धविराम लागू करना, सभी बंधकों की रिहाई, गाजा के लोगों को बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाना और गाजा में एक स्थिरीकरण मिशन की तैनाती आवश्यक होगी। हम यह भी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि अगले दिन हमास को निरस्त्र कर दिया जाए और गाजा के किसी भी शासन से बाहर कर दिया जाए। फलस्तीनी प्राधिकरण में सुधार और उसे मजबूत किया जाए और गाजा पट्टी का पूरी तरह से पुनर्निर्माण किया जाए। कोई भी आक्रमण, कब्जा करने का प्रयास या आबादी का जबरन विस्थापन उस गति को पटरी से नहीं उतार पाएगा जो हमने क्राउन प्रिंस के साथ मिलकर बनाई है।

यह घोषणा गाजा में मानवीय संकट को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच हुई है। इस्राइल के सैन्य विस्तार के बाद और भी बदतर हो गया है। मैक्रों उन पहले कुछ पश्चिमी विश्व नेताओं में से एक थे जिन्होंने कहा कि उनका देश औपचारिक रूप से फलस्तीन राज्य को मान्यता देगा। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, पुर्तगाल और यूनाइटेड किंगडम के नेता भी फलस्तीन राज्य को मान्यता देने के लिए तैयार हुए। अब बेल्जियम ने भी फलस्तीन राज्य को मान्यता देने और इस्राइल पर कड़े प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है।

फिर दहला पाकिस्तान, रैली में गए 14 लोग मरे, बलूचिस्तान में हमलावर ने खुद को उड़ा लिया

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में बीएनपी यानी बलूचिस्तान नेशनल पार्टी द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक रैली के समाप्त होने के तुरंत बाद हुए आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 14 लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने हमले की निंदा करते हुए इसे मानवता के दुश्मनों द्वारा किया गया कायराना कृत्य बताया। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने बताया कि यह विस्फोट मंगलवार रात को सरदार अताउल्लाह मेंगल की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित रैली के समापन के बाद सरियाब क्षेत्र में शाहवानी स्टेडियम के पास हुआ। समाचार पत्र के अनुसार प्रांतीय स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की है।

'द डॉन' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह एक आत्मघाती हमला था। पुलिस के अनुसार, विस्फोट रैली समाप्त होने के लगभग 15 मिनट बाद हुआ। हमलावर ने पार्किंग क्षेत्र में विस्फोटकों से लदी अपनी जैकेट में कथित तौर पर उस समय विस्फोट कर दिया, जब लोग रैली में भाग लेने के बाद वहां से निकल रहे थे।

'डॉन' के अनुसार, रैली का नेतृत्व कर रहे बीएनपी प्रमुख अख्तर मेंगल को कोई चोट नहीं आई, क्योंकि विस्फोट उस समय हुआ जब वह घर के लिए निकल रहे थे। इसमें कहा गया है कि पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के प्रमुख महमूद खान अचकजई, अवामी नेशनल पार्टी के असगर खान अचकजई और नेशनल पार्टी के पूर्व सीनेटर मीर कबीर मुहम्मद शाई भी रैली में मौजूद थे, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई।

हालांकि, प्रांतीय असेंबली (एमपीए) के पूर्व बीएनपी सदस्य मीर अहमद नवाज बलूच और पार्टी के केंद्रीय श्रम सचिव मूसा जान सहित कई पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक घायल हो गए। बीएनपी प्रमुख मेंगल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पुष्टि की कि वह सुरक्षित हैं, लेकिन अपने कार्यकर्ताओं की मौत से बेहद दुखी हैं। उन्होंने दावा किया कि विस्फोट में 15 बीएनपी कार्यकर्ताओं की जान चली गई। विस्फोट के बाद एक विशेष जांच समिति का गठन किया गया है और क्वेटा और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अब तक किसी भी समूह ने बम विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है।

चीन से अकेले नहीं लड़ा जा सकता, भारत से बिगड़ते रिश्तों पर पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने जताई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। टैरिफ को लेकर भारत से बिगड़ते रिश्तों पर पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने चिंता जाहिर की है। पूर्व अमेरिकी सलाहकार मैरी किसेल ने कहा कि अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का अकेले मुकाबला नहीं कर सकता। उन्होंने अमेरिका के साथ साझेदारी में भारत की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अमेरिका को भारत के समर्थन की जरूरत है।

एक साक्षात्कार के दौरान पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ की वरिष्ठ सलाहकार रहीं किसेल ने दोनों देशों के बीच आर्थिक तनाव के बीच मजबूत भारत-अमेरिका साझेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर हम चीन को अमेरिका और अपनी जीवनशैली के लिए सबसे बड़ा खतरा मानने के बारे में वाकई गंभीर हैं, तो हमें भारत की जरूरत है। यह एक सच्चाई है। हम एशिया-प्रशांत क्षेत्र में उनसे अकेले नहीं लड़ सकते। किसेल ने बताया कि एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान भारत की भागीदारी चीन की मुखरता से निपटने में ट्रंप प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश कर सकती है। हमें न सिर्फ ऑस्ट्रेलिया, न सिर्फ जापान में अपने दोस्तों, बल्कि भारत के भी सहयोग की जरूरत है। मुझे लगता है कि यह बैठक ट्रंप प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती को उजागर कर रही है।हाल ही में चीन के तियानजिन में 25वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्ष परिषद शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी।

इस्राइली हमले के बाद यमन में हूती-विद्रोहियों ने की यूएन के दफ्तरों में छापेमारी, हिरासत में लिए 19 कर्मी

सना , एजेंसी। यमन की राजधानी सना में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के दफ्तरों पर हूती विद्रोहियों की ओर से की गई छापेमारी में 19 कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया है। यह संख्या पहले बताई गई संख्या से ज्यादा है। यूएन ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यूएन के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को जानकारी दी कि हिरासत में लिए गए 19 लोगों में से 18 यमनी नागरिक हैं और एक अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को तुरंत रिहा करने की अपील की। ये छापेमारी रविवार को एजेंसी के उन दफ्तरों पर की गई, जो खाने-पीने, स्वास्थ्य और बच्चों से जुड़ी सेवाएं देती हैं। यह कार्रवाई इस्राइल के उस हवाई हमले के बाद की गई, जिसमें हूती प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी और कई कैबिनेट मंत्रियों की हत्या कर दी गई थी।

शांति वार्ताओं की उम्मीदें तब खत्म हो गईं, जब सात अक्तूबर 2023 को हमास ने दक्षिण इस्राइल पर हमला किया था। इसके जवाब में इस्राइल ने गाजा पर युद्ध छेड़ दिया। इसके बाद हूती विद्रोहियों ने गाजा के फलस्तीनी

के समर्थन में लाल सागर में जहाजों पर हमले शुरू कर दिए। इसके जवाब में अमेरिका और इस्राइल ने यमन के हूती-नियंत्रित इलाकों पर हवाई हमले किए।

संयुक्त राष्ट्र, अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन और हूती-नियंत्रित इलाकों में काम कर रहे राजनयिकों पर यह ताजा कार्रवाई हूती विद्रोहियों पर दबाव की रणनीति मानी जा रही है। दुजारिक ने कहा बताया कि इससे पहले भी हूती विद्रोही 23 यूएन कर्मचारियों को हिरासत में ले चुके हैं, जिनमें से कुछ को 2021 से ही बंदी बनाकर रखा गया है।

कर्मचारियों की गिरफ्तारी से यूएन की क्षमता प्रभावित

संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हांस ग्रंडबर्ग ने हाल ही में ओमान की राजधानी मस्कट का दौरा किया, जहां उन्होंने हूती विद्रोहियों के प्रमुख वार्ताकार मोहम्मद अब्देलसालम और अन्य राजनयिकों से मुलाकात की। दुजारिक ने बताया कि इस मुलाकात के दौरान उन्होंने यूएन कर्मचारियों की गिरफ्तारी और दफ्तरों में जबरन प्रवेश की निंदा की। उन्होंने चेतावनी दी कि हूती विद्रोहियों की यह कार्रवाई यमन के लोगों तक मदद पहुंचाने की यूएन की क्षमता को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है। यमन अरब दुनिया का सबसे गरीब देश माना जाता है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रतीक शाह 'अभिजीत' नाम का उपयोग करके चला रहा था वीज़ा फैक्ट्री

पासपोर्ट में फर्जी ट्रैवल हिस्ट्री बनाने के लिए स्टिकरों का इस्तेमाल, ATS भी जांच में शामिल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) और पीसीबी ने यूके, यूरोप और अन्य देशों के नकली वीज़ा बनाने वाले एक बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया है। सूरत के रांदेर स्थित समोर रेसिडेंसी में 2 सितंबर को छापा मारकर पुलिस ने ठग और सीरियल चीटर प्रतीक निलेश शाह को गिरफ्तार किया है। प्रतीक एजेंटों के नेटवर्क के साथ मिलकर कई लोगों को ठग चुका है। घोटाले की गंभीरता को देखते हुए गुजरात ATS समेत कई एजेंसियां जांच में जुड़ गई हैं और इस रैकेट के तार कहां तक फैले हैं, इसका पता लगाने के लिए गहराई से जांच चल रही है। इस मामले में पासपोर्ट अधिकारियों और कर्मचारियों की भी जांच की जाएगी।

प्रतीक शाह ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है और कई घोटालों में उसकी संलिप्तता रही है। वह वीज़ा स्टिकर बनाता था और हर स्टिकर के लिए 15-25 हजार रुपये लेता था। हालांकि, असली खेल ट्रैवल एजेंटों का था, जो एक व्यक्ति से नकली वीज़ा दिलाने के लिए 15-20 लाख रुपये तक वसूलते थे। इन फर्जी वीज़ा स्टिकरों का इस्तेमाल पासपोर्ट में यात्रा का नकली इतिहास दिखाने के लिए किया जाता था। जब असली विदेशी वीज़ा मिल जाता था, तो ये स्टिकर हटा दिए जाते थे। प्रतीक शाह ये स्टिकर बनाकर दिल्ली में रहने वाले वॉन्टेड आरोपियों को भेजता था, जो पूरे रैकेट को संचालित करते थे। पुलिस फिलहाल इस दिशा में जांच कर रही है कि इन नकली वीज़ा के आधार पर कितने लोग विदेश गए हैं।

प्रतीक शाह के खिलाफ पहले भी लगभग 9 मामले दर्ज हो चुके हैं। उमरा पुलिस स्टेशन में दर्ज इनमें से एक भी केस नकली वीज़ा स्टिकर बनाने का नहीं है। अधिकतर केस फर्जी कन्फर्मेशन लेटर और धोखाधड़ी से जुड़े हुए हैं। पुलिस का मानना है कि वह लंबे समय से ऐसे घोटालों में सक्रिय है।

डीसीपी राजदीपसिंह नकुम के अनुसार, प्रतीक शाह को चार दिन के रिमांड पर लिया गया है। इन चार दिनों में पुलिस कई पहलुओं पर जांच करेगी। पुलिस ने आरोपी से जब्त किए गए वीज़ा स्टिकरों पर लिखे पासपोर्ट नंबरों की जानकारी पाने के लिए पासपोर्ट विभाग को सूचित किया है। आरोपी ने alibaba.com जैसी वेबसाइट से हॉलमार्क वाले चीन के पेपर, प्रिंटर इंक और यूवी लाइट मंगाई थी। पुलिस ने इसके लिए alibaba.com और FEDEX कुरियर को ईमेल भेजकर पूरी जानकारी मांगी है।

पुलिस ने प्रतीक शाह के SBI, HDFC और यूनियन बैंक के खातों की जानकारी हासिल की है, ताकि उसके वित्तीय लेनदेन की जांच की जा सके। इसके अलावा पुलिस ने प्रतीक की पत्नी ज्योत्सनाबेन, मकान मालकिन इन्दुबेन चौहान, दलालों और स्टेशनरी दुकानदारों के भी बयान दर्ज किए हैं।

सूरत शहर में गणेश विसर्जन यात्रा के दौरान पालिका की सिटी बस सेवा पूरी तरह बंद रहेगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में धूमधाम से मनाया गया गणेश उत्सव अब समापन की ओर है। गणेश विसर्जन के दिन शहर से बड़ी संख्या में गणेश विसर्जन यात्राएं निकलनी होने के कारण पालिका ने शहर की सभी सिटी बस सेवाएं बंद रखने का निर्णय लिया है। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के चलते बस संचालन प्रभावित होने की आशंका थी और विसर्जन कार्य में कोई बाधा न आए, इसलिए बस सेवा बंद करने का फैसला किया गया है।

सूरत महानगरपालिका द्वारा सार्वजनिक परिवहन सेवा के अंतर्गत नागरिकों को सूरत शहर और आसपास के क्षेत्रों में बीआरटीएस और सिटी बस की सुविधा किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जाती है। भारत के सबसे लंबे 108 किलोमीटर लंबे डेडिकेटेड बीआरटीएस कॉरिडोर के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 2 लाख से अधिक यात्री इस सेवा का लाभ उठाते हैं। आने वाले शनिवार को गणेश विसर्जन होने के कारण बस सेवा को लेकर यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

सिटी लिंक के अनुसार, पुलिस आयुक्त के सार्वजनिक आदेश के अनुरूप शहर के विभिन्न हिस्सों में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। सभी बड़ी गणेश प्रतिमाएं और अन्य प्रतिमाएं कृत्रिम तालाबों और प्राकृतिक घाटों पर विसर्जित की जाएंगी।

इस दौरान अठवागेट, SVNIT, राहुलराज मॉल, एस.के. नगर, जुनी RTO टी-पॉईंट, अठवा ओवर ब्रिज, सरदार तापी ब्रिज, अडाजन गांव, स्टार बाजार, पाल RTO, भाठा गांव, ONGC सर्कल, क्रिभको ओवर ब्रिज, मोरा सर्कल, L&T, हजीरा बट घाट, गजेरा रत्नमाला सर्कल, डभोली चार रास्ता, डभोली ब्रिज, सुभाष बाग सर्कल, दांडी रोड जहांगिराबाद, नहर चार रास्ता, दोडी फाटक चार रास्ता, भेसाण चार रास्ता, ONGC सर्कल, परवत पाटिया, कबूतर सर्कल, भाठेना सर्कल, खरवरनगर रोकडिया सर्कल, उधना-मगदल्ला रोड, सोशियो सर्कल, गांधी कुटीर, भटार ओवर ब्रिज, ब्रेड लाइनर सर्कल, अनुव्रत द्वार ब्रिज, पनास नहर, वेसु नहर रोड, राजहंस चार रास्ता, आभवा चार रास्ता, हजीरा हाइवे रोड, एस.के. नगर ओवर ब्रिज तथा अन्य क्षेत्रों में बीआरटीएस और सिटी लिंक बस सेवाएं बंद रहेंगी।

पालिका ने अपील की है कि बस से यात्रा करने वाले यात्री इस निर्णय पर ध्यान दें और अपनी यात्रा की पूर्व योजना बना लें।

भाजपा की नीतियों के कारण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में गुजरात 18वें स्थान पर : कांग्रेस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सहित पूरे गुजरात में कांग्रेस द्वारा शिक्षा बचाओ अभियान शुरू किया गया है। इसी क्रम में सूरत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियों के चलते गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में गुजरात 18वें स्थान पर है। इसके अलावा कहा गया कि सरकार खुद शिक्षा के निजीकरण के पक्ष में है, जिसके चलते शिक्षा न सिर्फ गुणवत्ताहीन बल्कि महंगी भी हो गई है।

सूरत में कांग्रेस नेता नरेंद्र राव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की नीतियों के कारण शिक्षा की स्थिति खराब हो गई है, जिससे युवाओं और बच्चों का भविष्य चिंताजनक हो गया है। बावजूद इसके शिक्षा में सुधार के लिए सरकार की इच्छाशक्ति का अभाव देखने को मिल रहा है। इस प्रकार शिक्षा का अध:पतन हुआ है और गुजरात मॉडल की पोल खुल गई है।

उन्होंने आगे कहा कि पिछले लगभग आठ वर्षों में गुजरात में 525 सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं। इसके अलावा, छात्रों की संख्या नगण्य होने के बहाने गुजरात सरकार 5912 सरकारी स्कूल बंद करने की तैयारी कर रही है। जब गुजरात में सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं, तब निजी स्कूलों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

कांग्रेस ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने शिक्षा का अधिकार दिया था, जबकि भाजपा सरकार शिक्षा का अधिकार छीन रही है। भाजपा सरकार शिक्षा का निजीकरण और व्यापारीकरण करके सरकारी-ग्रांटेड स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की संरचना को तोड़ रही है।

इसके साथ ही आरोप लगाया गया कि भाजपा अपने मनपसंद कुलपतियों की नियुक्ति कर रही है, और भाजपा-संघ के बीच की आंतरिक खींचतान के कारण उच्च शिक्षा और विश्वविद्यालयों की व्यवस्था को भारी नुकसान हो रहा है।

उकाई डेम से पानी छोड़े जाने पर तापी नदी का जलस्तर बढ़ा

कोजवे ने खतरनाक स्तर पार ऊपरी इलाकों में भारी बारिश से उकाई डेम में 1.43 लाख क्यूसेक पानी की आवक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उकाई डेम के ऊपरी इलाकों में मूसलाधार बारिश के चलते डेम में पानी की आवक बढ़ गई है, जिसके परिणामस्वरूप डेम से तापी नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। इसकी वजह से तापी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और कोजवे का स्तर खतरनाक सीमा पार कर गया है।

फिलहाल, उकाई डेम में पानी की आवक 1.43 लाख क्यूसेक दर्ज की गई है।

पानी के इस भारी प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए डेम से 1.11 लाख क्यूसेक पानी तापी नदी में छोड़ा जा रहा है। जिसकी वजह से तापी नदी दोनों किनारों पर बह रही है। शहर में रांदेर के पास स्थित कोजवे का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। आज इसका स्तर 7.80 मीटर तक पहुंच गया है, जबकि इसका खतरनाक स्तर 6 मीटर है। इस स्थिति को देखते हुए प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदी किनारे और कोजवे के पास न जाएं। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, स्थिति अभी नियंत्रण में है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। प्रशासन उकाई डेम की स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है और आवश्यकता अनुसार कदम उठाए जा रहे हैं। सूरत शहर के लोगों से प्रशासन द्वारा दिए जा रहे निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

ऊपरी इलाकों में भारी बारिश से उकाई डेम में 1.43 लाख क्यूसेक पानी की आवक हुई है। डेम से तापी नदी में 1.11 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। उकाई डेम का जलस्तर 337.33 फीट तक पहुंच गया है। तापी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। कोजवे का स्तर 7.80 मीटर पर पहुंच गया है, जो खतरनाक स्तर (6 मीटर) से अधिक है। प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी और सावधानी बरती जा रही है।

सूरत 13वीं मंज़िल से गिरने पर मां-बेटे की मौत मायके और ससुराल पक्ष में हंगामा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के भीमराड क्षेत्र स्थित मार्तंड हिल्स सोसायटी में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई, जिसमें 30 वर्षीय महिला अपने बेटे के साथ 13वीं मंज़िल से नीचे गिर गई और दोनों की मौत हो गई। यह घटना देर शाम हुई, जब मृतका पूजा बेन अपने बेटे कृशिव को लेकर बिल्डिंग के 'सी' विंग की 13वीं मंज़िल पर कपड़े सिलवाने गई थीं। घटना बिल्डिंग में लगे गणेश पंडाल के पास हुई, जिसके कारण स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया।

मृतका पूजा बेन मूल रूप से मेहसाणा की रहने वाली थीं और भीमराड के मार्तंड हिल्स सोसायटी के 'ए' विंग की 6वीं मंज़िल पर रहती थीं। पूजा बेन के पति विलेषकुमार पटेल लूम्स का कारखाना चलाते हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पूजा बेन और कृशिव 13वीं मंज़िल से नीचे गिरे, जिससे दोनों को गंभीर चोटें आईं और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। ससुराल पक्ष का कहना है कि कृशिव नीचे गिर गया था और पूजा ने उसे बचाने का प्रयास किया, जिसके चलते वह भी गिर गईं। हालांकि, यह घटना आत्महत्या है या हादसा, इसकी जांच पुलिस कर रही है।

घटना की सूचना मिलते ही अलथाण पुलिस मौके पर पहुंची और आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने मृतका का मोबाइल फोन और सोसायटी के सीसीटीवी फुटेज जब्त किए हैं। महिला के मायके पक्ष ने पुलिस से उचित जांच और न्याय की मांग की है। इसके अलावा, सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम कक्ष के बाहर पूजा के मायके और ससुराल पक्ष के बीच हंगामा हुआ। फिलहाल पुलिस परिजनों के बयान लेकर घटना के कारणों की जांच कर रही है।

'संशोधित GST से सिर्फ़ फायदे ही फायदे'

सी.आर. पाटिल ने कहा - छोटे दुकानदारों और व्यापारियों को हुआ है लाभ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल ने आज बताया कि संशोधित त्रस्ज्ञ से भारत के नागरिकों, छोटे दुकानदारों, MSME और निर्यातकों को लाभ हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि सस्ती मशीनें और बायोपेस्टिसाइड से किसानों को फायदा होगा, खाद के दामों में सुधार से स्थानीय उत्पादन बढ़ेगा, मानव निर्मित फ़ाइबर पर उचित दर से निर्यात में वृद्धि होगी और हस्तकला पर कम दरों से कारीगरों की आय में बढ़ोतरी होगी।

दवाइयाँ और उपकरण कम दर पर मिलने से स्वास्थ्य सेवाएँ सस्ती होंगी। पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है, जिससे "सर्वजन बीमा" मिशन को बल मिलेगा। कंज्यूमर गुड्स पर 12% की बजाय 5% दर से अंतिम उपभोक्ताओं को फायदा होगा। बटर, घी, ड्राईनट्स, कंडेन्स्ड मिल्क, सॉस, जैम, फ्रूट जेली और मिल्क-बेस्ड ड्रिंक्स पर 18% और 5% टैक्स लागू होगा, जिसका सीधा फायदा आम जनता को मिलेगा। टैक्स दर घटने से सामान सस्ता होगा, माँग बढ़ेगी और आमदनी में इज़ाफ़ा होगा।

2017 में जब त्रस्ज्ञ लागू हुआ, तब तक हर राज्य में अलग-अलग कर प्रणाली थी। इससे कई मुश्किलें आती थीं, जिन्हें दूर कर "एक राष्ट्र, एक कर" लागू किया गया। 2017 से लागू चार स्लैब को अब हटाकर सिर्फ़ 5% और 18% के दो स्लैब रखे गए हैं।

नए त्रस्ज्ञ दर 22 सितंबर से लागू होंगे प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को लालकिले से कहा था कि इस बार वे देशवासियों को दिवाली का तोहफ़ा देंगे। इसी के तहत GST दरों में बदलाव किया गया, जो 22 सितंबर से लागू होगा। एक सर्वे के अनुसार MSME समेत 85% लोगों ने इन दरों से संतोष व्यक्त किया है। इससे टैक्स स्ट्रक्चर सरल हुआ है, उद्योग प्रतिस्पर्धी बने हैं और पूरे देश में एक समान दरें लागू हुई हैं। 2017 में 66.5 लाख पंजीकृत थे, जो 2025 में बढ़कर 1.51 करोड़ हो गए।

BRTS बस ने अधेड़ को टक्कर मारकर कुचला

अमरोली चौक पर सिटी बस अधेड़ के लिए "यमराज" बनी, हादसे के बाद अधेड़ तड़पता रहा

पार्षद ने कहा - लोग सड़क पर चलने से भी डरते हैं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक बार फिर BRTS बस का कहर देखने को मिला है। अमरोली चौक पर एक इलेक्ट्रिक BRTS बस ने एक अधेड़ को टक्कर मारते हुए गंभीर हादसा कर दिया। इस घटना में बस का टायर अधेड़ के दोनों पैरों पर चढ़ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जरूरी कार्रवाई शुरू की। हालांकि, हादसे के बाद बस छोड़कर ड्राइवर फरार हो गया।

इस घटना के बाद आम आदमी पार्टी के पार्षद विपुल सुहागिया ने आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सूरत की सड़कों पर वाहन चालकों और पैदल यात्रियों की सुरक्षा का अभाव है। सुहागिया ने कहा कि सड़क पर निकलने से भी डर लगता है। सिटी और BRTS बसों के ड्राइवर हर दूसरे दिन हादसा कर रहे हैं।

उन्होंने जोड़ा कि अमरोली चौक पर एक अधेड़ के दोनों पैर कुचले गए हैं, जिससे शायद अब वह जिंदगीभर चल नहीं पाएंगे। सुहागिया ने आरोप लगाया कि सूरत की सिटी बसें अब तक 100 से ज्यादा लोगों की जान ले चुकी हैं, लेकिन प्रशासन और शासक इससे कोई सबक नहीं ले रहे। निर्दोष लोगों की जान लेने वाली घटनाएं आखिर कब रुकेंगी?

उन्होंने सूरत की सिटी बसों की तुलना "यमराज" से की और कहा कि लोग सड़क पर चलते हुए भी डर महसूस कर रहे हैं। बार-बार हादसे होने के बावजूद प्रशासन सुधरने का नाम नहीं ले रहा और भाजपा के शासकों को भी इस मामले की कोई चिंता नहीं है। इस तरह के हादसे और निर्दोष लोगों की मौतें कब बंद होंगी,

यह एक बड़ा सवाल है। यह हादसा एक बार फिर सूरत की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और ड्राइवरों की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। आम लोगों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाना जरूरी है।